हिन्दी दैनिक

साहसिक टाइम्स

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 01, अंक : 37 पृष्ठ : 08, मूल्य : रू 1.00, लखनऊ, रविवार 16 जून, 2024

इटली के जी-7 शिखर सम्मेलन से वापस लौटे पीएम मोदी

विश्व मंच पर प्रस्तुत किया भारत का दृष्टिकोण: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन से वापस लौट आए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि विश्व मंच पर मैंने भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें भारत को बतौर आउटरीच सत्र में प्रतिभाग किया। इस सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस के साथ ही यूरोपीय यूनियन शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इटली की पीएम मेलोनी के निमंत्रण पर मैं 14 जून को जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के जाउंगा। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है लगातार तीसरे कार्यकाल में मेरी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की है। आउटरीच सत्र में चर्चा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, उर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर फोकस किया गया। शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ दो संकल्पों को मंजूरी दी। इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है। जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के अलावा मेलनी ने अल्जीरियाई राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने, केन्याई राष्ट्रपति विलियम रुटो और ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सईद को आमंत्रित किया है। अन्य अतिथियों में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयब अर्दोआन शामिल रहे। मसौदा बयान में कहा गया, हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे। जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिंडिसि एयरपोर्ट से भारत के लिए रवाना हो गए। इटली में उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पोप फ्रांसिस सहित कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात काफी चर्चा में रही।

एनडीए सरकार गलती से बनी, ज्यादा दिन नहीं चलेगी: खरगे

साल 1991 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने भी इतनी ही सीटें जीतीं थी, जितनी भाजपा ने 2024 में जीती हैं। बिना किसी स्पष्ट बहुमत के कांग्रेस ने पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में अल्पमत की सरकार बनाई थी।

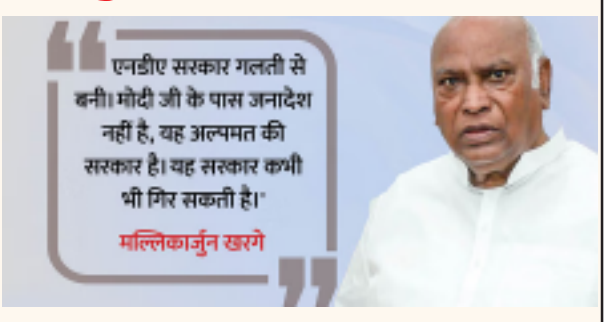

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और ये कभी भी गिर सकती है। खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है। बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'एनडीए सरकार गलती से बनी। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह जारी रहे, यह देश के लिए अच्छा हो, हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।' उल्लेखनीय है कि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272 है, लेकिन भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे रही और 240 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। ऐसे में सरकार बनाने के लिए भाजपा एनडीए गठबंधन के सहयोगियों पर निर्भर है। जिनमें 16 सीटें जीतने वाली तेदेपा, 12 सीटें जीतने वाली जदयू और एकनाथ शिंदे की शिवसेना (7) और लोजपा (5) प्रमुख हैं। रगे के बयान पर जदयू ने पलटवार किया है और उनसे पूछा कि जब कांग्रेस ने गठबंधन की सरकार बनाई थी, तब उनके प्रधानमंत्री का स्कोर कार्ड क्या थे?

न्यूज

सीबीआई ने 35 नए वसूली एजेंटों का लगाया पता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में स्कूल में नौकरी के बदले करोड़ों रुपये की नकदी मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को 35 नए बिचौलियों-सह-संग्रह एजेंटों के बारे में जानकारी मिली है। इन पर कथित घोटाले में लाभार्थियों और लाभ प्रदान करने वालों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करने का आरोप है। सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के दौरान, सीबीआई के अधिकारियों ने मोटी रकम के बदले स्कूल में नौकरी दिलाने के आरोपी लगभग 2,300 व्यक्तियों से पूछताछ की है। सूत्रों ने कहा कि पूछताछ के दौरान, इन 35 एजेंटों के नाम सामने आए। इन्होंने उम्मीदवार और राज्य शिक्षा विभाग से जुड़े संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच संपर्क बनाने, नौकरी के लिए भुगतान की जाने वाली राशि तय करने, उम्मीदवारों से पैसे इकट्ठा करने और घोटाले के मास्टर माइंड को इसे सौंपने और पैसे देने वालों की नियुक्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई अधिकारियों ने इन बिचौलियों के पिछले रिकॉर्ड की भी जांच की और पाया कि उनमें से कई राजनीतिक संपर्कों के मामले में अपने जिलों में अत्यधिक प्रभावशाली थे।

भारतीय सेना को फ्यूचर रेडी बनाएगा 'नागास्त्र-1' ड्रोन

नई दिल्ली। अरबपति टेक कारोबारी एलन मस्क ने एक बार कहा था कि भविष्य में वह देश ही युद्ध जीतेगा, जिसके पास सबसे अच्छे ड्रोन होंगे। शायद अब ऐसा होता हुआ भी दिख रहा है। भारतीय सेना को 'सुसाइड ड्रोन' - 'नागास्त्र-1' का पहला बैच प्राप्त हुआ है। इस ड्रोन की खासियत है कि ये सैनिकों की जान खतरे में डाले बिना आसानी से दुश्मन के ट्रेनिंग कैंप या लॉन्च पैड पर हमला कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन ड्रोन्स को भारत की कंपनी इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) की ओर से बनाया गया है, जो कि नागपुर स्थित सोलार इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी है। सेना की ओर से 480 ऐसे ड्रोन का ऑर्डर ईईएल को दिया गया था, जिसमें से 120 डिलीवर किया जा चुका है। 'नागास्त्र-1' एक सुसाइड ड्रोन है। इसके काम करने का तरीका आम ड्रोन से काफी अलग होता है।

कुपवाड़ा में नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने एक नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया, जिले के करनाह कस्बे में पुलिस और सेना ने संयुक्त रूप से नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और 500 ग्राम हेरोइन के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया, "खुफिया जानकारी मिली कि एक व्यक्ति सीमावर्ती शहर करनाह में हेरोइन खरीदने का प्रयास कर रहा है। इसके बाद टीम ने जाल बिछाया और दो लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हेरोइन बरामद की गई।" गिरफ्तार लोगों की पहचान खावरपारा करनाह निवासी स्वर्गीय मोहम्मद शफी शेख के बेटे शफीक अहमद शेख और बागबल्ला निवासी अहमद मलिक के बेटे तारिक अहमद मलिक के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया, "गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के बाद साधपुरा के रहने वाले परवेज अहमद पठान को गिरफ्तार किया गया।"

जल संरक्षण अभियान बनेगा आंदोलन: सीएम मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का कहना है कि जल संरक्षण के लिए चल रहा अभियान

'जल-गंगा संवर्धन' एक आंदोलन बनेगा और इसके तहत सभी परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। सीएम ने कहा, "मेरा मानना है कि जल-गंगा संवर्धन के अंतर्गत सभी परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। वैसे तो यह अभियान रविवार को पूरा हो जाएगा, लेकिन जिस तरह से लोगों ने आगे आकर इसका समर्थन किया है, मुझे लगता है कि यह एक आंदोलन बन जाएगा।" सीएम ने विश्वास जताया कि समाज के सभी वर्गों की भागीदारी से उन्होंने जो आंदोलन शुरू किया है, वह अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त करने तक जारी रहेगा।

हर प्रोजेक्ट के लिए तय हों नोडल अधिकारी, सप्ताह में मिले प्रोग्रेस रिपोर्ट: मुख्यमंत्री

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की रिपोर्ट ली जाए। हर प्रोजेक्ट की वरिष्ठ अधिकारी पंद्रह दिन पर समीक्षा करें, साथ ही परियोजनाओं की प्रगति को लेकर माह में एक बार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए। हर परियोजना की एक समय सीमा तय होती है। उसे उसी अवधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। सीएम योगी शनिवार दोपहर में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एनेक्सी भवन में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, नगर निगम, जल निगम, जीडीए, गीडा

समेत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन विकास परियोजनाओं के लिए जमीनों का अधिग्रहण किया गया है, वहां जमीन की रजिस्ट्री में तेजी लाई जाए और मुआवजा वितरण भी जल्द से जल्द किया जाए। इसमें किसी तरह की शिथिलता अक्षम्य होगी। मुख्यमंत्री ने कहा निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल अधिकारी को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी जाए। नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी हर माह जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं, उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें। सीएम योगी ने कहा कि बरसात का समय सन्निकट है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि बरसात होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए।

- **विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने दिए निर्देश**
- **विकास परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित जमीनों की रजिस्ट्री और मुआवजा वितरण में लाएं तेजी**
- **हर माह जनप्रतिनिधियों के साथ करें बैठक विकास परियोजनाओं की समीक्षा, सुझावों पर दें ध्यान**

हमारा लक्ष्य 3 करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने का है: केंद्रीय कृषि मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम मोदी का एक और संकल्प है, 'लखपति दीदी'। हमारा लक्ष्य 3 करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने का है, इसका एक आयाम 'कृषि सखी' है। हमने महिलाओं को प्रशिक्षित किया है।" ताकि वे किसानों को खेती में मदद कर सकें। हमने अब तक 30,000 'कृषि सखी' को प्रशिक्षित किया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक और महत्वपूर्ण योजना पीएम फसल बीमा योजना है। पीएम फसल बीमा योजना से 4 करोड़ से ज्यादा किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है. वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों को सस्ती दरों पर खाद मिल रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इससे पहले वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 100 दिवसीय कार्ययोजना पर चर्चा की।

इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र को मजबूत करना और किसानों के संकट को कम करना है। बैठक में कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव मनोज आहूजा और अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। बैठक में चौहान ने देशभर में कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए किसानों तक गुणवत्तापूर्ण आदानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया।

एमवीए को लोकसभा चुनाव में मिली जीत अंत नहीं, शुरूआत है: उद्धव ठाकरे

एजेंसी

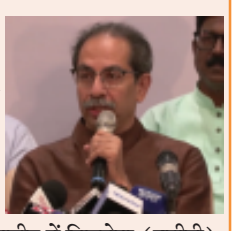

मुंबई। शिवसेना(यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में महा विकास आघाडी (एमवीए) की जीत शुरूआत है, अंत नहीं। उन्होंने विश्वास जताया कि विपक्षी गठबंधन राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव जीतेगा। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। ठाकरे दक्षिण मुंबई में एमवीए के घटक दलों के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जिसमें राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने भी अपनी बात रखी। तीनों दलों ने इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए एक प्रारंभिक बैठक भी की। ठाकरे ने कहा कि राज्य के लोगों ने दिखा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी की अजेयता का मिथक कितना खोखला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महा विकास आघाडी के लिए लोकसभा चुनाव की जीत अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है। कांग्रेस नेता चव्हाण ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र में सरकार बदलना तय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए पवार ने कहा, हम एमवीए के वास्ते राजनीतिक माहौल को अनुकूल बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हैं।

आरएसएस और बीजेपी के बीच पद की लड़ाई चल रही

लोगों को रोजगार और अन्य मुद्दों पर बात करनी चाहिए: मनोज झा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजद नेता मनोज झा ने कहा कि आरएसएस और बीजेपी के बीच पद की लड़ाई चल रही है। देश को वहां अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। लोगों को रोजगार और अन्य मुद्दों पर बात करनी चाहिए। अग्निवीर जैसी योजनाओं को खत्म करना चाहिए। इंद्रेश कुमार के अहंकार वाले बयान के बाद विपक्षी पार्टियां लगातार बीजेपी पर हमलावर हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि इंद्रेश कुमार ने जो दिल में आया, वही कहा। हो सकता है कि उन पर दबाव

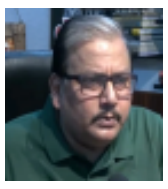

रहा हो, इसलिए उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया, लेकिन भारत जानता है कि अहंकारी कौन है, अहंकार की भाषा कौन बोलता है, 400 पार की बात करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपने मतभेद की खबरों को खारिज किया और इसे भ्रम पैदा करने की कोशिश करार दिया।

नई सरकार ने युवा सपनों पर फिर से प्रहार शुरू कर दिया: प्रियंका गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी-स्नातक) परीक्षाओं के आसपास कथित अनियमितताओं पर चल रहे विवाद पर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उसने शपथ लेते ही युवाओं के सपनों पर हमला करना शुरू कर दिया। एक्स पर प्रियंका गांधी ने लिखा कि भाजपा की नई सरकार ने शपथ लेते ही युवा सपनों पर फिर से प्रहार शुरू कर दिया। नीट परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों पर शिक्षा मंत्री का अहंकार भरा जवाब 24 लाख छात्रों एवं उनके अभिभावकों की चीख-पुकार की पूरी तरह से अनदेखी करता है। क्या शिक्षा मंत्री जी को सार्वजनिक रूप से मौजूद तथ्य नहीं दिखते? गांधी ने सवाल किया कि क्या बिहार और गुजरात में जो पुलिस कार्रवाइयां हुईं और रैकेट पकड़े गए, सरकार उन्हें भी झूठा मानती है? क्या 67 टॉपर को पूरे मार्क्स मिलना भी झूठ है? सवाल यह है कि लाखों युवाओं और उनके माता-पिता की अनदेखी कर सरकार सिस्टम में किसको बचाना चाहती है? उन्होंने पूछा कि क्या युवाओं के

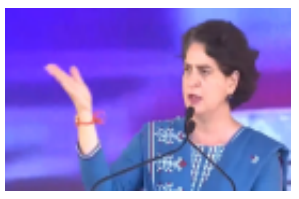

सपनों को इस भ्रष्ट परीक्षा प्रणाली की भेंट चढ़ाना बंद नहीं होना चाहिए? क्या सरकार की ये जिम्मेदारी नहीं बनती कि छात्रों व अभिवावकों की बात की अनदेखी करने की बजाय, शिकायतों पर गंभीरता से गौर करे व एक्शन ले?

दोबारा होनी चाहिए नीट की परीक्षा, ग्रेस मार्क्स देना गलत : कर्नाटक सीएम

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शनिवार को नीट की

परीक्षा दोबारा आयोजित करने की वकालत करते हुए कहा कि ग्रेस मार्क्स देना गलत है। मैसूरु में संवाददाताओं से बात करते हुए सीएम सिद्दारमैया ने कहा कि नीट परीक्षा में उन छात्रों के साथ गलत हुआ जिन्होंने कड़ी मेहनत की थी। उन्होंने कहा, "छात्रों को पास करने के लिए ग्रेस मार्क्स नहीं देना चाहिए। ग्रेस मार्क्स देना गलत है, इससे बचना चाहिए। इस मुद्दे पर मैं पहले ही अपना बयान दे चुका हूं। "मैंने इस मामले की जांच की मांग की है और दोबारा परीक्षा आयोजित करने की अपील की है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सही तरीके से परीक्षा का आयोजन नहीं किया है। छात्रों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।" केंद्रीय मंत्रिमंडल में दक्षिण भारत से आठ मंत्रियों को शामिल किये जाने के बारे में एक सवाल के जवाब में सिद्दारमैया ने कहा, "भाजपा कितनी भी कोशिश कर ले, आरएसएस के प्रभाव के कारण दक्षिण भारत में वह समर्थन नहीं जुटा सकेगी। भाजपा आरएसएस का राजनीतिक चेहरा है लेकिन भारत का दक्षिणी हिस्सा उसका समर्थन नहीं करेगा।" राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई के दुरुपयोग के बारे में टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, "भाजपा शुरू से ही लोगों को निशाना बनाने के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करती रही है।" कांग्रेस पर लग रहे राजनीतिक प्रतिशोध के आरोपों, खासकर पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट, के बारे में उन्होंने कहा, "जब हमारे खिलाफ मामले दर्ज किये जाते हैं तो क्या वह भी निशाना बनाना नहीं है?

येदियुरप्पा मामले में कोर्ट ने कांग्रेस सरकार को लगाया करारा तमाचा : केंद्रीय मंत्री प्रलहाद जोशी

एजेंसी

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री प्रलहाद

जोशी ने शनिवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा से जुड़े मामले में अदालत ने कांग्रेस सरकार को करारा तमाचा लगाया है। हुबली में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री जोशी ने कहा, "अदालत का आदेश कांग्रेस सरकार पर करारा तमाचा है। पुलिस ने आम चुनाव से पहले नोटिस जारी किया था। लोकसभा चुनाव के बाद जब नई सरकार सत्ता में आई तो पुलिस ने जानबूझकर अदालत से गिरफ्तारी वारंट हासिल कर लिया। येदियुरप्पा हमारे वरिष्ठ नेता हैं। संसदीय समिति के सदस्य के तौर पर उनका दिल्ली में होना स्वाभाविक है। अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना गलत था। इसके पीछे राज्य सरकार का हाथ है।" जोशी ने कहा, "अब यह स्पष्ट हो गया है कि यह सब राहुल गांधी के दबाव के कारण हुआ। सीएम सिद्धारमैया ने वरिष्ठ नेता येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने की तैयारी करके अपनी कुर्सी बचाने की कोशिश की। लेकिन, देश में न्यायपालिका अधिक शक्तिशाली है।" कर्नाटक पुलिस ने चार महीने पहले दर्ज पॉक्सो मामले में येदियुरप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट हासिल किया था। हाईकोर्ट ने पुलिस को उन्हें गिरफ्तार न करने और जांच जारी रखने का निर्देश दिया था। धारवाड़ में एक हिंदू कार्यकर्ता पर हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए जोशी ने कहा, "जब से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनी है, हिंदू कार्यकताओं पर हमले हो रहे हैं। धारवाड़ में, स्वस्थ देशी नस्ल की गायों को अवैध रूप से ले जाया गया। सूचना देने पर हमला किया गया।" "मुस्लिम कट्टरपंथियों को कोई डर नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कर्नाटक में हिंदू विरोधी सरकार चला रहे हैं। जोशी ने चेतावनी दी कि अगर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो हम आंदोलन करेंगे।" एक प्रशंसक की हत्या के मामले में कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए जोशी ने कहा, "सभी अभिनेताओं को एक ही नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि उनमें से एक ने ऐसी हरकत की हैं।"

टीएसएच में प्रशिक्षण प्राप्त करके निखर रहा बच्चों का टैलेंट

एक साल में ईडब्लूएस के कुल 980 बच्चों ने लिया प्रशिक्षण

संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर निगम के नगर आयुक्त श्री शिवशरणप्पा जी0एन0 की महत्वाकांक्षी योजनाओ के तहत कानपुरः प्रतिभा किसी परवरिश, अमीरी या गरीबी की मोहताज नहीं होती है, उसे तो बस एक मौका चाहिए अपना हुनर दिखाने का। शहर के अल्प आय वर्ग (ईडब्लूएस) के बच्चों को यह मौका दिया है कानपुर नगर निगम, खेलो इंडिया और फिट इंडिया के सहयोग से आर्यनगर में संचालित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) ने। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त करके गरीब परिवारों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए अलग-अलग प्रतियोगिता में पदकों की झड़ी लगाई है। द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में आगामी एक जुलाई से शुरू होने वाले नये प्रशिक्षण सत्र के लिये शनिवार को टीएसएच में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता को अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव, टीएसएच के डायरेक्टर आपरेशंस पीके श्रीवास्तव, आडी स्टेडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि विगत प्रशिक्षण सत्र में ईडब्लूएस के बच्चों ने उच्च कोटी का प्रशिक्षण प्राप्त करके अपनी खेल प्रतिभा को निखारा और अलग-अलग प्रतियोगिता में पदक हासिल करके शहर का नाम रोशन किया।

एक साल में यह रहा प्रदर्शन

ईडब्लूएस के 980 बच्चों ने एक साल में टीएसएच में प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें से बैडमिंटन में डिस्ट्रिक्ट लेवल पर चार गोल्ड, सात ब्रांज। जूडो में डिस्ट्रिक्ट लेवल पर तीन गोल्ड, चार सिल्वर, तीन ब्रांज, नेशनल लेवल पर एक सिल्वर मेडल प्राप्त किया। कराटे में डिस्ट्रिक्ट लेवल पर एक गोल्ड, एक सिल्वर,दो ब्रांज, स्टेट लेवल पर एक गोल्ड, एक ब्रांज, नेशनल लेवल पर एक गोल्ड। डिस्ट्रिक्ट लेवल पर टेबल टेनिस में दो सिल्वर,एक ब्रांज, स्टेट लेवल में एक सिल्वर। ताइक्वाडो में डिस्ट्रिक्ट लेवल पर तीन गोल्ड, एक ब्रांज, नेशनल लेवल पर एक ब्रांज, स्टेट लेवल पर एक गोल्ड, दो सिल्वर, दो ब्रांज मेडल प्राप्त किया। इस तरह से कुल 14 गोल्ड, 11 सिल्वर, 18 ब्रांज मेडल खिलाड़ियों ने टीएसएच में प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्राप्त किये। इतने सारे मेडल आना भी अपने आप में कीर्तिमान है। अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों का मार्गदर्शन भी निशुल्क प्रशिक्षण के साथ ही अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों द्वारा टीएसएच के खिलाड़ियों और कोचों को समय-समय पर मार्गदर्शन देने के लिये बैडमिंटन के पूर्व भारतीय खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद और राइफल निशानेबाज खिलाड़ी गगन नारंग भी मार्गदर्शन देने के लिये उपलब्ध रहते हैं। ताकि खेल और खिलाड़ियों को वर्तमान परिदृश्य के अनुसार अपडेट रखा जा सके।

एनआईएस मान्यता प्राप्त कोच

द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में जूडो, कराटे, ताइक्वांडो, बाक्सिंग, कबड्डी, शूटिंग, स्विमिंग, बास्केटबाल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन जैसे खेलों का प्रशिक्षण ईडब्लूएस के बच्चों के लिये निशुल्क उपलब्ध है। तीन माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में एनआईएस मान्यता प्राप्त कोचों द्वारा सभी खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में सभी प्रकार के खेल एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। सभी प्रकार के खेलों के लिये आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर विश्वस्तरीय मानकों और आधुनिक सुविधा से लैस है।

20 जून से ट्रायल

नगर आयुक्त ने बताया कि एक जुलाई से शुरू होने वाले द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में 15 जून तक प्रवेश फार्म का वितरण करने के बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसके बाद सभी खेलों के लिये आगामी 20 जून से ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रवेश फार्म वितरण से लेकर प्रशिक्षण तक कोई भी शुल्क बच्चों से नहीं लिया ता और उच्चकोटि का प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को निखारा जाता है।

ईडब्लूएस बच्चों ने 14गोल्ड, 11सिल्वर, 18 ब्रांज हासिल किये

-इनमें से नेशनल में 4, स्टेट में 8 और डिस्ट्रिक्ट में 32 मेडल रहे

-ईडब्लूएस बच्चों के लिये एक जुलाई से शुरू हो रहा नया सत्र

-20 तारीख से शुरू होंगे ईडब्लूएस के सभी खेलों के लिये ट्रायल

-प्रवेशफार्म से लेकर प्रशिक्षण तक सबकुछ दिया जा रहा निःशुल्क

रंगदारी न देने पर युवक को लाठी डंडों से बेरहमी पीटा

संवाददाता

कानपुर। थाना हरबंश मोहाल अंतर्गत सुतर खाना चौकी क्षेत्र के तार वाला हाता निवासी अमित राठौर ने बताया वो अपने घर से बाहर कुछ दूर पर घर के लिए नाश्ता लेने निकला था उसी वक्त क्षेत्र के दबंग सनी करिया मोहित करिया नितिन व पिंटू कश्यप नाम के दबंगों ने रोक कर 2000 हजार रुपए मांगे पैसे न देने पर इन सभी दबंगों ने पीड़ित अमित राठौर को उठा ले जाकर बुरी तरह लाठी डंडों व सरिया से पीट पीट कर अधमरी हालत में छोड़ कर भाग गए, जिससे पीड़ित को सर से लेकर पूरे शरीर में गम्भीर चोटें आई हैं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अमित राठौर को ईलाज हेतु केपीएम हॉस्पिटल भेजा गम्भीर हालत देखते हुए केपीएम हॉस्पिटल से पीड़ित को उर्सला हॉस्पिटल रेफर कर दिया जहां उसका ईलाज जारी हैं पीड़ित की मां ने आरोप लगाया हैं कि उसके बेटे अमित राठौर को मारपीट कर उसके गले में पड़ी चैन मो वा जेब में रखे पैसे भी छीन ले गए हैं अब इस मामले में पुलिस क्या कार्यवाही करती हैं ये देखने वाली बात होगी।

अब मोबाइल स्क्रीन पर ट्रू कॉलर की तरह ही नंबर के साथ दिखेगा नाम

संवाददाता

कानपुर। अक्सर अनजान नंबरों से फोन करने वालों की पहचान नहीं होने से यूजर को कई प्रकार की परेशानी होती है लेकिन अब इस समस्या का अंत होने वाला है। कॉल करने वालों की पहचान आसानी से हो इसके लिए अब मोबाइल स्क्रीन पर यूजर के नंबर के साथ नाम भी दिखेगा। टेलिकॉम कम्पनियों ने इसे लेकर हरियाणा और मुम्बई में ट्रायल शुरू कर दिया है। वहीं 15 जुलाई से देश भर में इसे लागू करने की तैयारी है। जिन शहरों में इसके ट्रायल की प्रक्रिया शुरू हुई है वहां टेलीकॉम कंपनियों ने कॉल करने वाले के नंबर के साथ उसका नाम भी दिखाना शुरू कर दिया है। दरअसल बड़ी संख्या में फर्जी कॉल करने वाले सीधे साधे लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। साथ ही कई बार लोगों की पहचान उजागर नहीं होने से यूजर अनजान नम्बरों के फोन उठाने से बचते हैं। इन स्थितियों में कई लोगों को बड़ी परेशानी होती है। यहां तक कि कुछ ऐसे एप्प मौजूद हैं जिसे लोग मोबाइल में रखते हैं ताकि फोन करने वाले अनजान लोगों को नाम के साथ पहचाना जा सके। ऐसे में अब टेलिकॉम कम्पनियों ने सभी फोन कॉल में यूजर्स के नाम को प्रदर्शित करने की योजना बनाई है। इससे जिसका भी फोन आएगा उसका नाम मोबाइल पर स्वतः आ जायेगा। टेलीकॉम कंपनियों को ऐसा करने के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा आदेश दिया गया है। सिम खरीदते वक्त फॉर्म पर दी गई जानकारी के आधार पर कॉल करने वाले का नाम यूजर के मोबाइल पर दिखेगा। यानी किसी ने अगर राजेश कटियार के नाम वाले आधार से सिम खरीदा है तो उसका नाम दूसरे के मोबाइल पर राजेश कटियार के रूप में ही दिखेगा। देश भर में इसे शुरू करने के पहले फिलहाल दो सर्किल मुम्बई और हरियाणा में इसका ट्रायल किया जा रहा है। जुलाई में इसे देश भर में शुरू किया जा सकता है।

हजरत लश्करी शाह के 57वें उर्स का गुड्डू सचान ने किया उद्घाटन

संवाददाता

कानपुर। झांसी कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर पुखरायां और भोगनीपुर के बीच हाईवे पर ही स्थित हजरत लश्करी शाह बाबा की मजार बरसों बरस से हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक बनकर हर आने जाने वालों के दिलों में नैतिकता सौहार्द की मशाल जलाती है। हजरत लश्करी शाह बाबा के आस्ताने में पिछले 56 वर्षों से उर्स का आयोजन करने वाली कमेटी, जिसमें पदाधिकारी के रूप में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्म के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, के द्वारा इस बार भी दो दिवसीय उर्स का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दो दिवसीय जवाबी कव्वाली एवं नातिया मुशायरे को सुनने आसपास के हजारों लोग उमड़ पड़े। शुक्रवार 14 जून को भारतीय किसान यूनियन भानु ग्रुप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सचान उर्फ गुड्डू भैया ने समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष अरुण यादव बबलू राजा तथा वरिष्ठ समाजसेवी व पत्रकार डॉ अनूप सचान की मौजूदगी में फीता काटकर उर्स का शुभारंभ किया। साथ ही पहले दिन के जवाबी कव्वाला शीबा परवीन कानपुरी तथा शाहरुख साबरी गया बिहार के द्वारा पेश की गई कव्वालियों सबके दिल में समाना नहीं चाहिए, खुद को तोहफा बनाना नहीं चाहिए, सबके दिल में अमनो मोहब्बत का पैगाम ऐसा हो, कि गर गर हिंदू का जले तो तकलीफ मुसलमान के दिल में हो, मैं मदीने जाऊं ये मेरी औकात नही नबी मुझे बुला ले तो बड़ी बात नहीं, का लुत्फ भी उठाया। उक्त अवसर पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि आपसी प्रेम सौहार्द भाईचारे का प्रतीक यह उर्स में मेले को देखने तथा कव्वाली सुनने वह बचपन से आते रहे हैं। किंतु तब उन्हें भी क्या पता था कि एक दिन इसी उर्स के उद्घाटन करने का अवसर भी उन्हें मिलेगा। उन्होंने कहा कि आमजनों, किसानों, मजदूरों के लिए संघर्ष करने के लिए सबके साथ है। जिसे भी उनकी जरूरत हो कभी भी उनसे मिल सकता है। वो हर संभव अपने भाइयों की मदद को तैयार है। उन्होंने ऐसे मुबारक काम जिससे कि आपसी भाईचारा बढ़ता है, में बढ़चढ़ कर लोगो को सहयोग करने का आवाह्न किया। उन्होंने उर्स कमेटी को कहा कि आप लोग अपनी जमीन खरीदिए, हम सहयोग करेंगे और समाज के सभी समर्थ के लोगों का भी सहयोग लीजिए। उर्स कमेटी के पास अपनी जगह हो तो और बढ़िया रहेगा। उन्होंने उपस्थित युवा साथियों और बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग भी जिंदगी में अच्छे काम करते हुए इतनी मेहनत करें और सफलता पाए कि आगे आने वाले समय में आप लोगों में से ही कई लोग आकर के इस उर्स के उद्घाटनकर्ता बनें। वहीं पिछले लोकसभा चुनाव में विधानसभा भोगनीपुर में अथक प्रयास व उत्कृष्ट मैनेजमेंट से समाजवादी पार्टी को विधानसभा से जीत दिलाने पर उत्साहित जिलाध्यक्ष अरुण यादव बबलू राजा अपने समर्थकों के साथ उपस्थित रहते हुए बताया कि हाईवे के किनारे एवं सड़क पर अब जगह की कमी होने के कारण उर्स के लिए जगह मिलना बड़ी मुश्किल हो रही है। यह उनकी व्यक्तिगत जमीन है जिस पर प्रतिवर्ष वह उर्स का आयोजन करवाते हैं और इसी बहाने ही सही अपने क्षेत्र तथा आसपास के गांव के भाइयों बहनों के साथ मिलकर अल्लाह की इबादत में अपना कुछ समय व्यतीत करते हैं। वही जवाबी कव्वालियों में खुदा की इबादत में पेश किए गए शायरी तथा कव्वाली से समा बंध गया। वहीं डॉ अनूप सचान ने आयोजनकर्ता चुनमुन सचान प्रधान, कमेटी के संरक्षक गुलशन गुलाटी, अध्यक्ष अरुण यादव, उपाध्यक्ष अनिल बंसल, राघव अग्निहोत्री, आफताब कुरैशी, मंत्री शफीक खान नेताजी, कोषाध्यक्ष सदरुल इस्लाम, संगठन मंत्री हाजी बन्ने खां, इश्तियाक खान, प्रचार मंत्री अशरफ कुरैशी, अतीक खान, कलीम राइन, सचिव भारत सिंह, मुस्तकीम प्रधान, पप्पू खान, छज्जू मिस्त्री, मुन्ना भाई, संगठन सदस्य फारुख मंसूरी, इमरान खान, असलम सिद्दीकी, नफीस भाई, निजाम भाई, सक्रिय सदस्यों राजू गुप्ता, इकरार खान, मिथलेश पंडित, नसीम खान, मनसुख भाई, राशिद अली, मुन्ना भाई, जगराम यादव, बलराम, शालू खान, शहंशाह खान, शाह आलम, लकी लाइट , अशोक साउंड व सुरक्षा में लगे पुलिस बल व फायर विभाग, पत्रकार बंधुओ सहित अन्य सहयोगियों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लोगों को आपसी प्रेम भावना के तहत काम करने का आह्वान भी किया। दूसरे दिन शनिवार को बच्चा दिलशाद जौनपुर तथा आलिया इंडियन बरेली के बीच मुकाबला हुआ।

दाखिले की उम्र सीमा में तीन महीने की छूट देगी सरकार

संवाददाता

कानपुर। पहली कक्षा में दाखिले के लिए उम्र सीमा में तीन महीने की छूट मिल सकती है। प्रदेश सरकार जल्द ही इस पर निर्णय लेगी। इसके बाद एक जुलाई को छह साल की उम्र पूरी करने वालों को भी दाखिला मिल सकता है। इससे पहले एक अप्रैल को छह साल की उम्र पूरी करने वालों को ही दाखिला देने का निर्णय लिया गया था। पूरे देश में नियम है कि पहली कक्षा में छह साल से कम उम्र में दाखिला न लिया जाए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत यह नियम पहले से लागू है। अब नई शिक्षा नीति में इसे सख्ती से लागू करने की बात कही गई है। पिछले साल भी केंद्र ने सभी राज्यों को इस बाबत निर्देश दिए थे। इसके बावजूद कुछ राज्यों ने कम उम्र के बच्चों को दाखिला दिया था। इसे देखते हुए यूपी में भी प्रदेश सरकार ने इसे सख्ती से लागू किया।

यूं उठी उम्र सीमा में छूट की मांग-

पहले यूपी बोर्ड और बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों का सत्र जुलाई से शुरू होता था। ऐसे में जुलाई में छह साल की उम्र लागू होती थी चूंकि अब बेसिक शिक्षा परिषद और यूपी बोर्ड का सत्र भी एक अप्रैल से शुरू हो जाता है। ऐसे में प्रदेश सरकार ने सख्त निर्देश दिए कि एक अप्रैल को जिनकी उम्र छह साल पूरी हो चुकी है उनको ही दाखिला दिया जाए। उधर सरकार यह भी चाहती है कि स्कूलों में छात्र संख्या बढ़े। शिक्षकों पर अधिक दाखिले करने का दबाव है। इस वजह से उम्र सीमा में छूट देने की मांग उठ रही थी। इसे देखते हुए शासन स्तर पर यह सहमति बन चुकी है कि केंद्र से विशेष अपील करके जुलाई में छह साल पूरे करने वाले बच्चों को दाखिला दिया जाए। जल्द इसका शासनादेश जारी किया जा सकता है। समझिए क्यों बदलना पड़ रहा निर्णय- एक अप्रैल को नया सत्र तो शुरू हो गया लेकिन कुछ दिन पढ़ाई के बाद फिर छुट्टी हो गई। इसके बाद जून अंत से जुलाई की शुरूआत तक स्कूल चलो अभियान चलाया जाता है। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में तभी ज्यादातर दाखिले होते हैं। ऐसे में एक अप्रैल को छह साल की उम्र पूरी करने के नियम से दिक्कत यह आ रही थी कि जुलाई में जो बच्चे दाखिला लेंगे उनकी उम्र छह साल से तीन महीने ज्यादा हो चुकी होगी। इससे जून-जुलाई में दाखिले नहीं होंगे। वैसे भी बेसिक स्कूलों में सत्र 2022-23 की तुलना में 2023-24 में बच्चों की संख्या 24 लाख कम हो गई थी। छह साल उम्र के नियम से छात्र संख्या में और कमी आयेगी। इसी वजह से उम्र सीमा में ढील देने की तैयारी है।

नगर संवर्ग खत्म करने का सिर्फ एलान हुआ अमल नहीं, सरप्लस शिक्षकों का नहीं हो पा रहा समायोजन

संवाददाता

कानपुर। नगर क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को देखते हुए विधानसभा में इस संवर्ग को खत्म करने का एलान तो किया गया पर उस पर अमल अभी तक नहीं हुआ। इसके अलावा नगर संवर्ग खत्म कर ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों के समायोजन की कवायद भी सफल नहीं हुई। इसी कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। प्रदेश सरकार ने 2020-21 में इस मामले में गंभीरता से विचार शुरू किया था। तत्कालीन बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने विधानसभा में नगर संवर्ग खत्म करने की बात कही थी। कहा था कि बेसिक शिक्षा नियमावली में आवश्यक संशोधन कर कैबिनेट की मंजूरी के बाद सदन में लाया जाएगा। उन्होंने यह एलान तो किया पर इसे अमली जामा नहीं पहनाया जा सका। 2022 में वह चुनाव हार गए और विभाग ने इस दिशा में ठोस प्रयास नहीं किया।

नगर के स्कूल सुधरें तो न हो आरटीई के लिए मारामारी-

विभाग एक तरफ नगर क्षेत्र के स्कूलों में सुधार नहीं कर पा रहा है। दूसरी तरफ वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों का आरटीई के तहत निजी स्कूलों में दाखिले के लिए शुल्क देता है। हर साल निजी स्कूल में लाखों बच्चों के आवेदन आते हैं और उसमें से आधे को ही प्रवेश मिल पाता है। अगर विभाग अपने शहरी क्षेत्र के स्कूलों को ही व्यवस्थित कर दे तो आरटीई के लिए मारामारी नहीं होगी। पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने नगर संवर्ग खत्म करने की घोषणा की थी। सरकार चाहे तो कैबिनेट से प्रस्ताव पास कर 2009-10 की भांति ग्रामीण संवर्ग के सरप्लस शिक्षकों को नगर क्षेत्र में तैनात कर सकती है या फिर नियमावली में संशोधन कर सीधे नगर क्षेत्र में तैनाती की जा सकती है लेकिन सरकार को जो करना चाहिए वह करती नहीं है और जो नहीं करना चाहिए उसे प्रमुखता से करती है।

आगामी 19 जून को होगा किसान दिवस का आयोजन

संवाददाता

कानपुर। उप कृषि निदेशक राम बचन राम ने अवगत कराया कि शासन के निदेर्शानुसार कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनपद स्तर पर प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार माती में पूर्वाहन 12 बजे से किया जाता है। आयोजित कार्यक्रम में कृषि एवं कृषि समावेशी विभागों यथा उद्यान विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी समिति, लघु सिंचाई विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, कृषि विज्ञान केन्द्र, अग्रणी बैंक मैनेजर, नेडा एवं फसल बीमा कम्पनी के जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित कर कृषकों की समस्याओं को निस्तारित करने के साथ-साथ उपस्थित कृषकों को विभागीय योजनाओं/ कार्यक्रमों एवं नवीनतम/उन्नत कृषि तकनीकी के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने का कार्य भी किया जाता है।उक्त के अनुक्रम में अवगत कराना है कि माह जून 2024 में किसान दिवस का आयोजन दिनॉक 19.06.2024 को किया जायेगा। समस्त सम्बन्धित अधिकारियों से अनुरोध है कि आयोजित किसान दिवस में ससमय प्रतिभाग करें।

हनक पर नकेल, प्रशासन की वीआईपी कल्चर दिखाने वालों पर कड़ी चौकसी

संवाददाता

कानपुर। प्रदेश के मुखिया द्वारा वीआईपी कल्चर पर नकेल कसने के क्रम में जनपद में हूटर बजाकर और लाल नीली बत्ती लगाकर हनक दिखाने वालों के खिलाफ सुस्त प्रशासन ने चुस्त सिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा लगातार ओवरलोड और यातायात नियमों के उल्लंघन पर रोज नकेल कसने हेतु की जा रही कवायद में एक अध्याय और जुड़ गया। अब वीआईपी कल्चर और हनक

दिखाने वाली गाड़ियों को लेकर यातायात पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शनिवार को यातायात पुलिस द्वारा अकबरपुर हाईवे पुल के नीचे ऐसे वाहनों के चालान काटने की कार्यवाही चालू हो गई। यातायात पुलिस के उपनिदेशक ने बताया कि शासन से स्पष्ट निर्देश मिले हैं कि ऐसे वाहन जो हूटर बजाकर रुआब झाड़ते हैं तथा जिन वाहनों में पद नाम आदि लिखे हैं, नंबर प्लेट अष्पष्ट है, उन वाहनों पर भी कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में जिले भर में एक दर्जन चालान किये गये।

जिला कारागार में योग गुरु पद्मश्री भारत भूषण ने कैदियों को सिखाया योगासन

संवाददाता

सहारनपुर। आज सुबह जिला कारागार पंहुचे योगगुरू पद्मश्री भारत भूषण द्वारा सैकड़ों कैदियो को योगाभ्यास सिखाया।इस मोके पर वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे के अलावा जिला जेल स्टाफ भी रहा मौजूद। योगाभ्यास सिखाने के साथ साथ भारत भूषण सभी कैदियों को यह भी बता रहे थे,कि इस योगाभ्यास से शरीर का कोन सा रोग समाप्त हो जाता है।आपको बता दें,कि आज ज़िला कारागार सहारनपुर में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के परिप्रेक्ष्य में स्वामी पदमश्री भारत भूषण द्वारा बंदियों को योग प्रशिक्षण दिया गया।स्वामी भारत भूषण द्वारा बंदियों को सनातन काल से चली आ रही भारतीय योग परंपरा एवं उसके महत्व से भी अवगत कराया गया।योग गुरु भारत भूषण ने कहा,कि आज के रोजमर्रा के जीवन में शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं मानसिक तनाव से मुक्ति हेतु जीवन को दिनचर्या में ढाला जाना एवं प्रतिदिन योग आभास करना कितना आवश्यक है।उन्होंने कहा,कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मतलब यह? नहीं,कि एक ही दिन योगा किया जाए,यदी आपको शारीरिक रोगों से मुक्ति पानी है,तो हर दिन योगा करें।इस विषय में भी भारत भूषण द्वारा बंदियों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे के अलावा कारागार केसमस्ट कर्मचारी,अधिकारी तथा बंदी मौजूद रहे।

श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा मुक्तियात्रा का शुभारंभ

संवाददाता

मथुरा। यमुना पूजन के साथ होगा इस आशय की घोषणा आज आयोजित

कार्यालय पर बैठक में किया गया श्री कृष्ण जन्मभूमि हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा ने बताया कि यह यात्रा हरि नाम कीर्तन के ब्रजमंडल में पौराणिक तीर्थ स्थलों से होकर गुजरेगी यात्रा के दौरान सभी भक्त कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए संकल्पित होंगे। यात्रा लगभग हर तीर्थ पर पहुंचेगी यहां ब्रज के प्रमुख संत यात्रा की अगवानी कर अपना आशीर्वचन देंगे। कार्यक्रम संयोजक राजेश पाठक राष्ट्रीय महामंत्री अश्वनी शर्मा महानगर अध्यक्ष ठाकुर नरेश सिंह ने बताया कि यात्रा 17 को यमुना पूजन कर नियम धारण करेंगी प्रथम मुकाम स्थल मधुबन को प्रस्थान करेगी इस अवसर पर प्रमुख रूप से पं जयराम शर्मा, राजेश शास्त्री, राहुल गौतम, महेश बघेल, गिरधारी गोला, रमन ठाकुर, संजय शर्मा, जमुना शर्मा, भवानी शंकर कटारिया, आदि उपस्थित रहे।

हार के बाद जिलाध्यक्ष से प्रदेश अध्यक्ष के बीच के सभी पदों को खत्म करने की संस्तुति

⇨ लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की करारी शिकस्त के बाद जिला और मंडल स्तर पर व्यापक परिवर्तन किया जा चुका है और अब उत्तर प्रदेश को छः सेक्टरो में बांटा गया है। सेक्टर दो के मुख्य सेक्टर प्रभारीगण इस हार की समीक्षा में जुट गए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को करछना विधानसभा क्षेत्र के मुंगारी में लोकसभा क्षेत्र 52 की समीक्षा बैठक की गई।

प्रयागराज(संवाददाता)। बसपा का लोकसभा चुनाव हारने, चुनाव का प्रतिशत कम होने का कारण क्या है की समीक्षा करते हुए प्रयागराज मंडल के मुख्य मंडल सेक्टर प्रभारी अमरेंद्र बहादुर भारतीय और डॉ.जगन्नाथ पाल ने बताया कि बहनजी बहुजन महापुरूषों को आईकान मानती है। अब बहनजी ही हम बहुजनों का आईकॉन है। वो जो भी निर्णय लेती हैं उनके निर्णय पर भरोसा करना होगा। बहुजन समाज अगर विवेक का इस्तेमाल करे और आंख बंद कर अपनी दिव्य दृष्टि से देखे तो बहनजी का जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित है।वो बहुजन समाज के लिए काम करती है और बहुजन समाज की एक अद्भुत शक्ति है।बसपा का मिशन किसी जाति धर्म के लिए नहीं बल्कि विचारधारा की है। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। आज गिरगिट की तरह इंसान रंग बदलता दिख रहा है। बहुजन महापुरूषों ने विपरीत परिस्थिति में मानवता और सम्मान के लिए काम किया है किन्तु आज बसपा के लोगो की लापरवाही की वजह से पार्टी का वोट प्रतिशत घटा है। विपक्षी पार्टी इंडिया गठबंधन के लोग विना लोहिया का नाम लिए बाबासाहेब का नाम लेकर एक मार्केट तैयार किया और गुलाम बनाने वालो की औलादें बहुजनो को गुलाम बना दिया।लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की करारी शिकस्त के बाद जिला और मंडल स्तर पर व्यापक परिवर्तन किया जा चुका है और अब उत्तर प्रदेश को छः सेक्टरो में बांटा गया है। सेक्टर दो के मुख्य सेक्टर प्रभारीगण इस हार की समीक्षा में जुट गए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को करछना विधानसभा क्षेत्र के मुंगारी में लोकसभा क्षेत्र 52 की समीक्षा बैठक की गई।सबसे पहले समीक्षा बैठक के दौरान इलाहाबाद संसदीय सीट पर बूथ से लेकर सेक्टर तक बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति की समीक्षा के लिए कोरांव, मेजा, शहर दक्षिणी, बारा और करछना के विधानसभा अध्यक्षों ने अपनी बात रखी। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के बसपा विधानसभा अध्यक्षों में मेजा विधानसभा अध्यक्ष अवधेश कुमार गौतम की इस बात पर कि प्रदेश अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष के मध्य मुख्य सेक्टर इंचार्ज और मंडल सेक्टर इंचार्ज के पद बहनजी को समाप्त कर देना चाहिए और प्रदेश अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष में सारी शक्तियां निहित कर देनी चाहिए।मुंगारी आरा मशीन के बगल में स्थित करछना विधान सभा कार्यालय में आयोजित की गई समीक्षा बैठक में लोकसभा चुनाव में करारी हार की समीक्षा जिन मुख्य सेक्टर इंचार्ज नौशाद अली, सूरज सिंह जाटव, प्रवेश कुरील, हेमंत प्रताप सिंह को लेना था वो बसपा सुप्रीमो के निर्देश के बावजूद समीक्षा बैठक में उपस्थित नहीं रहे।

बद्रीनाथ, केदारनाथ की यात्रा करवाएगा आइआरसीटीसी

हेलीकॉप्टर से केदरानाथ जाने की दी जाएगी सुविधा

प्रयागराज(संवाददाता)। आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत सिन्हा ने बताया कि इस यात्रा

में दो तरह का किराया तय किया गया है। इसमें स्टैंडर्ड किराया 58,946 रुपये व डीलक्स किराया 62,353 रुपये है।इयात्रियों को भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के जरिए ग्वालियर व आगरा स्टेशन पर चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी।इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आइआरसीटीसी) अब बद्रीनाथ, केदारनाथ की यात्रा भी करवाई जाएगी। आईआरसीटीसी की यह यात्रा 20 जून से शुरू होकर 02 जुलाई तक चलेगी। आईआरसीटीसी के इस पैकेज में यात्रियों को हेलीकॉप्टर की भी सुविधा दी जाएगी। इस पैकेज में ऋषिकेश, रुद्र प्रयाग, गुप्तकाशी, केदारनाथ (कन्फर्म हेली टिकट के साथ), जोशीमठ, बद्रीनाथ की यात्रा करवाई जाएगी।आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत सिन्हा ने बताया कि इस यात्रा में दो तरह का किराया तय किया गया है। इसमें स्टैंडर्ड किराया 58,946 रुपये व डीलक्स किराया 62,353 रुपये है। इयात्रियों को भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के जरिए ग्वालियर व आगरा स्टेशन पर चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। जबकि स्थानीय यात्रा बस के जरिए होगी। यात्रियों को छह रात का प्रवास ऋषिकेश, रुद्र प्रयाग और जोशीमठ में दिया जाएगा।यात्रा में सुबह नाश्ता, दोपहर व रात में शाकाहारी भोजन शामिल है। यात्रियों को बीमा, टूर एस्कार्ट्स, टूर मैनेजर, ट्रेन में सुरक्षा गार्ड की भी सुविधा मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

नसीम अन्सारी ने एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष जाखड से छात्रो के हितो को लेकर चर्चा

संवाददाता

टोंक। एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष एड0 नसीम अन्सारी ने

शुकवार को कोटा में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ से शिष्टाचार मुलाकात कर छात्रो के हितो को लेकर विस्तार से चर्चा की एड0 अन्सारी ने बताया कि जाखड ने यूजी 2024 की परीक्षा मे हुई धांधली में लिप्त लोगो को कठोर से कठोर सजा दिलाने एवं परीक्षा रद्ध करने को लेकर चर्चा की छात्रो के भविष्य को लेकर शुक्रवार को कोटा में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा विनोद जाखड के नेतृत्व्य अन्दोलन किया गया। जहाँ पर टोंक के एनएसयूआई अध्यक्ष एड0 नसीम अन्सारी भी मोजूद रहे। उन्होने अन्दोलन किया और छात्रो पर हो रहे अन्याय पर आवाज उठाई और प्रथम पंक्ति में अन्सारी मिलेगे। और इस तानाशाही सरकार के विरूद्व छात्रो की आवाज बुलंद करेगे। और साथ मोजूद रहे, शाहिद अन्सारी, साबिर खांन, कमेलश आदि मोजूद रहे।

हरिहर महायज्ञ की आज पूणार्हुति

संवाददाता

टोंक। क्षेत्र के करीमपुरा भैरु जी महाराज मंदिर परिसर में 8 जून से आरम्भ हुंए 31कुण्डीय हरिहर महायज्ञ की आज विधि

विधान से पुणार्हुति होगी। यज्ञाचार्य पं. वैध प्रकाश दतंवास ने बताया कि करीमपुरा भैरूजी महाराज मंदिर परिसर में बाबा बालकदास महाराज नृसिंह आश्रम हाडीकला के सानिध्य में 8 जून से 16जून हरिहर महायज्ञ आरम्भ हुआ था। शनिवार को यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ सुबह से ही यज्ञ मंडप की परिक्रमा और हवन कुंड की परिक्रमा लगाने के लिए बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु वहां जमा होने लगे यज्ञ स्थल पर विभिन्न देवी-देवताओं की बनी दर्जनों मूर्ति का दर्शन और पूजन भी श्रद्धालुओं के द्वारा किया गया दूर-दराज के गांव से भी भारी संख्या में लोग पहुंचे तथा यज्ञ मंडप की परिक्रमा की. यज्ञ स्थल पर लगे मेले को देखने के लिए भी भारी भीड़ मौजूद थी बाबा बालक दास ने बताया रविवार को 8 जून से शुरू हुए हरिहर यज्ञ की विधि विधान पूर्वक पूणार्हुति होगी तत्पश्चात भोजन प्रसादी करवाई जाएगी।

गरीब मेधावी छात्रों को मददगार बनेगी विद्याधन छात्रवृत्ति:डीआईओएस

- 15 जुलाई तक मांगे पात्रों से आवेदन
- कक्षा 10 वीं पास कर सकते हैं आवेदन

संवाददाता

मथुरा । विद्याधन द्वारा प्रदान की जाने वाली अखिल भारतीय उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना में गरीब परिवार के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए मददगार होगी। इसके लिए पात्र छात्र-छात्राओं से 15 जुलाई तक आवेदन मांगे गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक भास्कर मिश्रा ने बताया कि विद्याधन एक अखिल भारतीय उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति है। जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी छात्रों के लिए है। इस योजना केचयनित छात्र-छात्राओं को इंटरमीडिएट में प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। जबकि डिग्री कोर्स करने के लिए 15 हजार से 75 हजार रुपये के बीच छात्रवृत्ति दी जाती है। छात्र सीधे विद्याधन की बेवसाइट पर सीधे निःशुल्क आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम हो, जिन छात्रों ने 2024 में 10 वीं की परीक्षा 80 प्रतिशत अंकों से अधिक व 8 सीजीए अं, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 65 प्रतिशत अंक या 6.5 सीजीपीए अंक के साथ उत्तीर्ण की हो। आवेदन के साथ कक्षा 10 का अंकपत्र एवं आय प्रमाणपत्र लगाना आवश्यक है।

एमसीएच भवन में व्यवस्थाओं पर मांगा सीएमएस ने जवाब

एटा(संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज प्रांगण में एनएचएम से एमसीएच (मदर केयर चाइल्ड यूनिट) बनी है। इसको हैंडओवर लेने की प्रक्रिया चल रही है। एक माह पूर्व राज्य व मंडल की टीम ने भवन में व्यवस्थाओं को देखा था। इस दौरान कई खामियां मिली थी। कार्यदायी संस्था को एक माह का समय देकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की बात कही गई थी। एक माह का समय पूरा होते ही सीएमएस ने संस्था को पत्र भेज व्यवस्थाओं के दुरुस्त होने की जानकारी मांगी है।सपा शासनकाल में इस भवन का निर्माण शुरू हुआ था। ये 20 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है। भवन निमार्ण की गति धीमी रही।

40 विद्यालयों ने हेल्थ केयर ट्रेड को अपनाया, 35 विद्यालयों में ली गईं अन्य ट्रेड

एटा(संवाददाता)। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने शैक्षिक सत्र में राजकीय सहित सहायता प्राप्त विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा अनिवार्य की गई है। इसके तहत 18 ट्रेड की सूची भेजी गई। इसमें से प्रत्येक विद्यालय को दो ट्रेड चुनने को कहा गया। 40 विद्यालयों ने विद्यार्थियों के रुझान को देखते हुए हेल्थकेयर व ब्यूटी एडं वेलनेस ट्रेड को चिह्नित किया है। जबकि 35 विद्यालयों ने अन्य ट्रेड को लिया है।स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी संख्या में युवाओं का रुझान है। 10वीं के बाद से ही विद्यार्थी भविष्य में क्या करना है किस क्षेत्र में जाना है उसी के अनुसार विषयों का चयन करते हैं। जिससे आगे उन्हें पढ़ाई करने में दिक्कत न हो। सरकार व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दे रही है।

43 साल पहले हुई हत्या में 71 वर्षीय बुजुर्ग बेगुनाह साबित

प्रयागराज(संवाददाता)। मामला गाजीपुर जिले के थाना जमनिया का है। वर्ष 1981 में शहाबुद्दीन और हत्यारोपियों के बीच रुपयों को लेकर विवाद हुआ था। इसी झगड़े में शहाबुद्दीन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शहाबुद्दीन के पिता हाकिमुद्दीन ने हत्या का आरोप लगाते हुए खलील समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 43 साल पहले हुई हत्या में आजीवन कारावास की सजा पाए 71 वर्षीय बुजुर्ग को बेगुनाह करार दिया है। जबकि तीन सह अभियुक्तों की अपील के दौरान मौत हो चुकी है। यह फैसला न्यायमूर्ति सिद्धार्थ व न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की पीठ ने खलील व अन्य की ओर से सजा को चुनौती देने वाली अपील स्वीकार करते हुए सुनाया।मामला गाजीपुर जिले के थाना जमनिया का है। वर्ष 1981 में शहाबुद्दीन और हत्यारोपियों के बीच रुपयों को लेकर विवाद हुआ था। इसी झगड़े में शहाबुद्दीन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शहाबुद्दीन के पिता हाकिमुद्दीन ने हत्या का आरोप लगाते हुए खलील समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसपर ट्रायल कोर्ट ने चारों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोषियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।अपील पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अभियोजन के गवाहों में विरोधाभास पाया था। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभियोजन की कहानी को समर्थन नहीं कर रही थी। गोली मारने का आरोप तीन लोगों पर लगाया गया है जबकि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के मुताबिक केवल एक चोट आई है। कोर्ट ने आरोपी मोफीद को आजीवन कारावास से बरी कर दिया है। जबकि खलील, जहीर और जैनुद्दीन की अपील के दौरान मौत हो चुकी है।

चेक बाउंस के मामले में रेलकर्मी को जेल

प्रयागराज(संवाददाता)। राजरूपपुर निवासी रामसजीवन और लीडर रोड निवासी हंसराज दोनों रेलवे कर्मचारी थे। नौकरी के दौरान ही दोनों का परिचय हुआ था। रामसजीवन ने तीन लाख रुपये हंसराज को उधार लिए थे। इसके बदले में हंसराज ने चेक दिया, जो बाउंस हो गया।चेक बाउंस के मामले में सहयोग नहीं करने पर अतिरिक्त न्यायालय एनआईएक्ट ने रेल कर्मचारी हंसराज को जेल भेज दिया। अभियुक्त बार-बार वारंट रिकॉल होने के बाद भी पुनः जमानत का दुरुपयोग करते हुए अनुपस्थित हो रहा था। ऐसे में कोर्ट ने वारंट रिकॉल प्रार्थना पत्र निरस्त करते हुए अभियुक्त को अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया। वादी के अधिवक्ता नितेश सिंह ने पक्ष रखा।राजरूपपुर निवासी रामसजीवन और लीडर रोड निवासी हंसराज दोनों रेलवे कर्मचारी थे। नौकरी के दौरान ही दोनों का परिचय हुआ था। रामसजीवन ने तीन लाख रुपये हंसराज को उधार लिए थे। इसके बदले में हंसराज ने चेक दिया, जो बाउंस हो गया।ऐसे में एनआईएक्ट के तहत हंसराज पर केस दर्ज कराया था। मामले के लंबित होने पर परिवादी ने हाईकोर्ट अर्जी दाखिल कर शीघ्र निस्तारण की गुहार लगाई। इस पर हाईकोर्ट ने छह माह में मामले का निस्तारण किए जाने का आदेश दिया था।मामले में विपक्षी हंसराज सुनवाई में सहयोग नहीं कर रहा था। कोर्ट ने विपक्षी को वारंट जारी किया। विपक्षी वारंट रिकॉल कर पुनः अनुपस्थित हो गया। कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया। कुर्की का आदेश भी दिया। इस दौरान अभियुक्त की ओर वारंट रिकॉल का प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसे कोर्ट ने निरस्त करते हुए उसे जेल भेज दिया।

पीसीएस जे मुख्य परीक्षा के सभी 3019 अभ्यर्थियों को कॉपियां दिखाएगा आयोग

प्रयागराज(संवाददाता)। पीसीएस-जे मुख्य परीक्षा - 2022 को लेकर विवादों में घिरे उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने बड़ा निर्णय लेते हुए सभी 3019 अभ्यर्थियों को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने का निर्णय लिया है। ताकि सभी तरह की आशंकाए दूर की जा सकें। उत्तर पुस्तिकाएं अभियान चलाकर 20 जून से 30 जुलाई तक दिखाई जाएंगी। आयोग ने इस बाबत विस्तृत कार्यक्रम भी जारी दिया है। आयोग के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भर्ती परीक्षा के सभी अभ्यर्थियों को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई जाएंगी।मुख्य परीक्षा में कुल 3019 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनकी अलग-अलग विषयों की कुल 18042 उत्तर पुस्तिकाएं हैं। अभ्यर्थी श्रवण पांडेय के मामले में आयोग ने आयोग ने उत्तर पुस्तिकाओं की फिर से जांच कराने का हलफनामा दिया था। उसकी प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में आयोग ने अब सभी को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने की भी घोषणा की है।आयोग की ओर से इसके लिए रोल नंबर के अनुसारकार्यक्रम जारी किया गया है। परीक्षा नियंत्रक हर्ष देव पांडेय की ओर से देर रात जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रत्येक कार्यदिवस में चार सत्रों सुबह 10:30, 11:30, 2:30 और 3:30 में कॉपियां दिखाई जाएंगी। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्रों के अनुरूप आयोग परिसर स्थित सरस्वती भवन में निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र देकर उत्तरपुस्तिकाओं को देख सकेंगे। अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए जारी प्रवेश पत्र/साक्षात्कार-ज्ञाप, अंकतालिका तथा उसके साथ आधार कार्ड या फोटोयुक्त कोई आईडी प्रूफ जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी, पासपोर्ट आदि दिखाने पर आयोग परिसर में प्रवेश मिलेगा।जिन अभ्यर्थियों को आरटीआई के तहत उत्तर पुस्तिकाओं के अवलोकन के लिए अलग से तिथि प्रदान की जा चुकी है, वे भी नए सिरे से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन करेंगे। पूर्व में उनके लिए उत्तर पुस्तिकाओं के अवलोकन के लिए निर्धारित तिथि स्वतः निरस्त समझी जाएगी। आयोग ने अभ्यर्थियों को निर्देशित किया है कि वे उक्त निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होकर अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन अवश्य कर लें। आयोग भविष्य में उत्तर पुस्तिकओं को देखने के लिए आरटीआई के तहत प्रार्थना-पत्रों/प्रत्यावेदनों पर विचार नहीं करेगा।पीसीएस-2015 मुख्य परीक्षा को लेकर भी अभ्यर्थियों ने काफी आत्तियां दर्ज कराई थीं। साथ ही पुर्नमूल्यांकन की मांग की थी। एक अभ्यर्थी सुभाषिनी बाजपेयी ने आरटीआई के तहत कॉपी देखी तो उसके नंबर भी बढ़ गए थे। सीबीआई आयोग की 2021 से 2015 तक भर्तियों की जांच कर रही है और अब तक एक मात्र एफआईआर पीसीएस-2015 मुख्य परीक्षा के मामले में लिखाई गई है। आयोग ने उस समय भी उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने का निर्णय ले लिया होता तो संभवतः एफआईआर की नौबत न आती।

अर्द्ध सैनिक बलों में कांस्टेबल भर्ती के बढ़ गए 20,471 पद

प्रयागराज(संवाददाता)। एसएससी का परीक्षा परिणाम जल्द ही जारी किया जा सकता है। पिछले वर्ष नवंबर और दिसंबर में कर्मचारी चयन आयोग की ओर से सिपाही भर्ती समेत अन्य पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। यह सभी आवेदन आनलाइन किए जाने थे। बाद में पदों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। अर्द्ध सैनिक बलों में भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से आयोजित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की सिपाही भर्ती परीक्षा - 2024 का परिणाम अब तक नहीं आया। उससे पहले पदों की संख्या में 20,471 की बढ़ोतरी कर दी गई है। भर्ती के बीच में पद बढ़ने से अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी का मौका मिल सकेगा। अगले कुछ दिनों में इस भर्ती का परिणाम जारी किया जा सकता है।

दो माह परीक्षा नहीं दे पाएंगे रेडियोलॉजी के 52 छात्र

प्रयागराज(संवाददाता)। जांच टीम ने कहा कि कॉलेज में अनुशासनहीनता किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद इन छात्रों को दो माह के लिए परीक्षा देने से प्रतिबंधित कर दिया गया। मामले की रिपोर्ट यूपी स्टेट मेडिकल काउंसिल को भेज दी।मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में परीक्षा के दौरान तीन छात्रों के पास मोबाइल फोन मिलने के बाद हंगामे में लिप्त रेडियोलॉजी के 52 विद्यार्थी दो माह परीक्षा नहीं दे पाएंगे। जांच कमेटी ने यूपी स्टेट मेडिकल काउंसिल को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। न्यूरो विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिलीप चौरसिया के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने शुक्रवार को छात्रों का बयान लेने के साथ परीक्षा के दौरान हंगामे की सीसीटीवी फुटेज चेक की। इस दौरान 52 छात्र अनुशासनहीनता

में लिप्त पाए गए।जांच टीम ने कहा कि कॉलेज में अनुशासनहीनता किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद इन छात्रों को दो माह के लिए परीक्षा देने से प्रतिबंधित कर दिया गया। मामले की रिपोर्ट यूपी स्टेट मेडिकल काउंसिल को भेज दी। ऐसे में अगर काउंसिल इस निर्णय पर सहमति देती है, तो छात्रों का एक साल खराब होना तय है। ऐसे में यह सभी छात्र मौजूदा परीक्षा देने से वंचित रह जाएंगे और फेल माने जाएंगे।गौरतलब है कि बुधवार को कॉलेज मेंरेडियोलॉजी विभाग की परीक्षा के दौरान तीन परीक्षार्थियों के पास मोबाइल फोन मिला था। इस कक्षा में 54 छात्र मौजूद थे। इस पर परीक्षार्थियों ने कॉलेज प्रशासन पर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में अधिक ड्यूटी कराने और पढ़ाई का समय न देने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने विद्यार्थियों को शांत कराकर परीक्षा फिर से शुरू कराई थी।कैंपस में अनुशासनहीनता और मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हत्या के बाद युवक के शव को सड़क पर रखकर किया चक्काजाम

आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने पर अड़े

प्रयागराज(संवाददाता)। परिजनों के मुताबिक, मनीष और राजेश पांडेय के बीच होली पर मामूली विवाद हुआ था। मृतक के पिता संतोष ने बताया कि राजेश शराब के नशे में विवाद के बाद मारपीट किया था। उसके बाद कोई विवाद नहीं हुआ। शायद उक्त आरोपियों की इसी बात की रंजिश थी।बारा थाना क्षेत्र के भेलाव में शुक्रवार की सुबह युवक की हत्या गोली मारकर की गई थी। शनिवार की सुबह परिजन और ग्रामीणों ने कई मांगों को लेकर लोहगरा गांव के सामने बांदा राजमार्ग पर लाश रखकर चक्का जाम कर दिया था। जाम की सूचना पर पुलिस पहुंची अक्रोशित लोगो को समझाने का प्रयास किया लेकिन बात नही बनी।कुछ समय बाद डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडे, एसडीएम बारा दिग्विजय सिंह पहुंचकर परिजनों से वार्ता किया।मांगों को लिखित में प्रशासन ने परिजनों को दिया तब जाकर लगभग एक घंटे बाद धरना खत्म हुआ। मांग पत्र में बच्चों और पत्नी को आर्थिक मदद, परिवार को सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस, राष्ट्रीय पारिवारिक सहायता, बच्चो के शिक्षा की समुचित व्यवस्था, आरोपियों के घर का त्वरित ध्वस्तीकरण, मृतक की महिला को विधवा पेंशन और फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी आदि मांगें शामिल रही।

पिता के सामने गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

बारा थाना क्षेत्र के भेलाव गांव में पुरानी रंजिश के कारण शुक्रवार सुबह मनीष मिश्रा (26) की पिता के सामने गोली मारकर हत्या कर

दी गई थी। वारदात के वक्त मनीष खेत में जुताई कर रहा था। गांव के ही रहने वाले साकेत बिहारी पांडेय उर्फ राजेश, आकाश पांडेय, दीपक पांडेय और श्यामा कांत पांडेय ने वारदात को अंजाम दिया। बारा थाना पुलिस ने मृतक के पिता संतोष मिश्रा की तहरीर पर उक्त आरोपियों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने एक आरोपी दीपक पांडेय को गिरफ्तार किया है। परिजन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। भेलाव निवासी मनीष मिश्रा अपने पिता संतोष मिश्रा के साथ गांव के ही पास खेत में धान की नर्सरी डालने के लिए खेत की जुताई कर रहा था। इस दौरान मनीष ट्रैक्टर चला रहा था। तभी, साकेत बिहारी पांडेय समेत अन्य आरोपी राइफल व तमंचे से लैस होकर खेत पहुंचे। पिता-पुत्र को मारने की नियत से चारों तरफ से घेर लिया। अपने बचाव के लिए पिता-पुत्र ने भागने का प्रयास किया। लेकिन, इस बीच हमलावरों ने मनीष को तीन गोली मार दी थी। पहली गोली मनीष की हथेली पर लगी। दूसरी गोली पीठ पर मारी गई। जब वह जमीन पर गिर गया तो तीसरी गोली सिर में मार दी। परिवार के लोगों को आते देख हमलावर फरार हो गए।

होली पर हुआ था विवाद

परिजनों के मुताबिक, मनीष और राजेश पांडेय के बीच होली पर मामूली विवाद हुआ था। मृतक के पिता संतोष ने बताया कि राजेश शराब के नशे में विवाद के बाद मारपीट किया था। उसके बाद कोई विवाद नहीं हुआ। शायद उक्त आरोपियों की इसी बात की रंजिश थी। वहीं, बारा थाना प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि उस दौरान दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई थी। उसके बाद किसी प्रकार की शिकायत नहीं दी गई थी।

सम्पादकीय...

फिर आतंकी हमले

पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान की चर्चा हो रही थी। अब लगातार हो रहे आतंकी हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले हुए हैं। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। इन घटनाओं में छह जवानों समेत पचास के करीब लोग घायल हुए हैं। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। चिंता की बात यह है कि एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू किया जा रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में दखल दे सकते हैं। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है। वहीं इन हमलों का चिंताजनक पहलू यह है कि अब तक आतंकी घटनाओं का केंद्र दक्षिण कश्मीर आदि इलाके होते थे, अब की बार ये हमले जम्मू क्षेत्र में हुए हैं। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चैकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं। केंद्र सरकार विचार करे कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद क्या वाकई घाटी में स्थिति सामान्य हो पायी है? हाल के लोकसभा चुनाव में हुआ बंपर मतदान क्या चरमपंथियों को संसद भेजने का उपक्रम था?

गठबंधन राजनीति की मजबूरियां

के रवींद्रन

मोदी 3.0 कैबिनेट में वित्त मंत्री के रूप में पुनः कार्यभार संभालने के बाद, निर्मला सीतारमण अपने अन्य सहयोगियों की तुलना में सबसे अधिक दबाव में हैं क्योंकि नयी सरकार का बजट मुश्किल से एक महीने दूर है। इस बार उनका बजट बनाना अधिक जटिल है क्योंकि उन्हें गठबंधन की राजनीति की मजबूरियों को भी समायोजित करना है। कुल मिलाकर, उन्हें आर्थिक चुनौतियों के एक जटिल परिदृश्य का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भाजपा के लिए स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रहने के बाद, उनकी सरकार को गठबंधन सहयोगियों - चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और बिहार के मजबूत नेता नीतीश कुमार की जेडी-यू का समर्थन हासिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, इसके बावजूद कि दोनों ही पल भर में अपनी वफादारी बदलने की प्रवृत्ति वाले हैं। मोदी 3.0 के निहितार्थों को स्पष्ट करने की आवश्यकता नहीं है। निर्मला सीतारमण को विविध हितों को ध्यान में रखना होगा, अपेक्षाओं का प्रबंधन करना होगा और आर्थिक नीतियों पर आम सहमति बनानी होगी, जिनमें से कोई भी आसान काम नहीं है। गठबंधन की गतिशीलता लगातार उनका ध्यान आकर्षित करेगी। आर्थिक स्थिरता से समझौता किये बिना गठबंधन सहयोगियों की मांगों को संतुष्ट करना एक नाजुक काम है, जो जटिल चुनौतियों से भरा है। उन्हें देश की

वित्तीय सेहत की रक्षा करते हुए आम सहमति बनानी होगी और इसके लिए राजकोषीय रूढ़िवादिता, गठबंधन की वास्तविकताओं और विकास की अनिवार्यताओं को संतुलित करने की दुर्लभ क्षमता की आवश्यकता होगी। निर्मलासीतारमण पिछले पांच वर्षों से भारत के वित्त मंत्रालय की कमान संभाल रही हैं और उन्होंने लगातार छह बजट पेश किये हैं। पूर्ण कार्यकाल के लिए इस पद पर रहने वाली पहली महिला के रूप में उनकी नियुक्ति एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मील का पत्थर है। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने प्रमुख सुधारों को लागू किया, जिसमें बेसकॉपोरेट टैक्स की दर को 30प्रतिशत से घटाकर 22प्रतिशत करना और महामारी से उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा करना शामिल है। सीतारमणकी अपनी पिछली नीतियों पर कायम रहने की संभावना है, जिसका लक्ष्य राजकोषीय समेकन है। उनके पिछले प्रयासों ने राजकोषीय घाटे को 5.8प्रतिशत से घटाकर 5.6प्रतिशत कर दिया और वर्तमान संदर्भ में विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होगी। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था एक गतिशील वैश्विक वातावरण में काम करती है, इसलिए उन्हें इसे भू-राजनीतिक तनावों, व्यापार व्यवधानों और दुनिया भर में आर्थिक बदलावों के बीच भी आगे बढ़ाना होगा। भारत के हितों की रक्षा करते हुए इन अनिश्चितताओं का प्रबंधन करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं होगी। महामारी से प्रेरित आर्थिक मंदी सरकारी वित्त पर दबाव बना रही है। इसलिए, वित्त मंत्री को विकास को प्रोत्साहित करने और राजकोषीय अनुशासन बनाये रखने के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना होगा। दबाव की जरूरतों को पूरा करते हुए विवेकपूर्ण खर्च सुनिश्चित करना एक कठिन काम होगा। मध्यम वर्ग बेसब्री से मुद्रास्फीति, कर बोझ और बढ़ती लागतों से राहत का इंतजार कर रहा है और बजट के फैसले सीधे उनके जीवन को प्रभावित करेंगे। राजकोषीय विवेक बनाये रखते हुए उनकी अपेक्षाओं को पूरा करना एक कठिन चुनौती है। चुनाव परिणामों ने सत्तारूढ़ दल को यह झटका दिया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता व्यवहार को निर्धारित करने वाले वास्तविक मुद्दे सामाजिक और धार्मिक पहचान और अस्मिता की राजनीति की नियमित बयानबाजी से परे हैं। उल्लेखनीय है कि मोदी 2024 के चुनाव अभियान के दौरान वैसे ही बयानबाजी से फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। चुनाव प्रचार के विभिन्न चरणों में वे एक विभाजनकारी मुद्दे से दूसरे मुद्दे पर कूदते रहे, लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं हुआ कि जमीनी स्तर पर लोग आस्था या पहचान के मुद्दों से कहीं अधिक अपने दैनिक जीवन को लेकर चिंतित हैं।

मेषः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः- शासन-सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः- अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

महिलाओं की कम आय चिंताजनक

भारत कई तरह की असमानताओं से जूझता हुआ देश है। इन गैरबराबरियों में आर्थिक भेदभाव के अलावा जातिगत असमानता तो है ही, लैंगिक भेदभाव बेहद विकराल रूप में है। कमोबेश सभी तरह की महिलाओं को किसी न किसी रूप में इसका सामना करना ही पड़ता है। शहरी हो या ग्रामीण, साक्षर हो या निरक्षर या अल्प शिक्षित, वह कथित ऊंची जाति की हो या फिर निचली जाति की- प्रत्येक महिला आजीवन उससे हर कदम पर दो-चार होती है। माना जाता है कि आत्मनिर्भरता स्त्रियों को पुरुषों के समकक्ष ला सकती है लेकिन वहां भी उनकी राह इतनी आसान नहीं है। असमानता का दंश वहां भी मौजूद है। वर्ल्ड इकॉनामिक फोरम की बुधवार को जारी रिपोर्ट में बतलाया गया है कि भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की आय 60 फीसदी कम है। यह अंतर इतना अधिक है कि इसके बल पर कोई भी सभ्य समाज अपने यहां लैंगिक बराबरी का दावा बिलकुल नहीं कर सकता। यह शर्मनाक भी है। सरकार को इस ओर ध्यान देकर वे सारे उपाय करने चाहिये जो पुरुष-महिला के बीच मेहनताने की इस खाई को मिटा सकें वैसे यह रिपोर्ट देश में लैंगिक असमानता की स्थिति की पोल को खोलती है। 146 देशों की सूची में भारत 129 वें स्थान पर खड़ा है। पिछले वर्ष वह 125वें पायदान पर था। इसका सीधा सा अर्थ है कि यह देश महिलाओं को देवी मानने को लिये तो तैयार है लेकिन उसे मनुष्य के रूप में उसके वे अधिकार देने को तैयार नहीं है जिसकी शुरूआत हर प्रकार की समानता से होती है। इस रिपोर्ट ने भारत को उन देशों के समूह में रखा है जहां लैंगिक असमानता सर्वाधिक है। उसे 0.398 अंक मिले हैं जो बहुत खराब प्रदर्शन है। इसमें कहा गया है कि जिस काम के लिये पुरुष को 100 रुपये मिलते हैं, महिला को 52 ही मिलते हैं। उसका योगदान भी बामुश्किल 40 फीसदी ही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति केवल पाकिस्तान, ईरान, सूडान एवं बांग्लादेश से ही बेहतर बताई गई है। वैसे महिलाओं की आर्थिक बदहाली व पुरुषों के नीचे ही उसे बनाये रखने का प्रमुख कारण व आधार इस समाज की पुरुषवादी सोच ही है। पूरा ही पूरा सामाजिक ढांचा इन्हीं असमानताओं पर खड़ा है। सामंती एवं धार्मिक- इन दो तत्वों से बना भारतीय समाज उन तीनों ही तरह की गैरबराबरियों को बनाये रखने का हिमायती है जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है। समाज को हांकने वाले धर्म व राजनीति में काम करने वाले जानते हैं कि महिलाओं के पुरुषों की बराबरी में आने का मतलब होगा इस शोषण आधारित व्यवस्था का चरमराकर ढह जाना। इसलिये वे यथास्थिति को बनाये रखते हैं। जितने भी तरह की धार्मिक व नीति कथाएं बतलाई जाती हैं उनमें औरतों को त्याग करने वाली, अल्प संतोषी, पुरुषों, खासकर पिता व पति की सेवा में अपना जीवन खपाने-मिटाने वाली महिलाओं को महिमा मंडित किया जाता है। उन्हें आत्मनिर्भरता के अलावा सारा कुछ सिखाया जाता है। घर में खानपान से लेकर शिक्षा-दीक्षा तक लड़कों व लड़कियों में भेदभाव होता देखकर वे बच्चियां बड़ी होकर इसी परम्परा को आगे बढ़ाती हैं। लड़कियों की पढ़ाई यह कहकर छुड़ा दी जाती है कि श्यह तो लड़की है, इतना पढ़कर क्या करेगी या फिर, उसे कौन सी नौकरी करनी है... आदि। लड़कियों को इस काबिल ही नहीं बनाया जाता कि वे नौकरी कर सकें। संगठित क्षेत्रों में तो कानूनों के कारण वेतन, भत्तों व सुविधाओं में समानता देखी जा सकती है लेकिन वहां उनका प्रतिशत बहुत कम है। बड़ी कम्पनियों में लैंगिक अनुपात की स्थिति बेहद खराब है। आगे बढ़ने के अवसर भी उनके लिये पुरुषों के मुकाबिल कम ही होते हैं। महत्वपूर्ण पद एवं जिम्मेदारियां उन्हें नहीं मिलतीं। यहां तक कम्पनियों के बोर्ड में तक महिलाएं उद्योगपतियों के परिवारों की ही होंगी। शासकीय कम्पनियों में तक यही परिदृश्य है। असंगठित क्षेत्रों में हालत ज्यादा खराब है। पुरुषों की तुलना में उन्हें रोजगार तो कम मिलते ही हैं, वेतन-पारिश्रमिक में भी व्यापक असमानता है जिसका समग्र असर न सिर्फ उनके जीवन स्तर पर पड़ता है बल्कि उसकी अन्य असमानताओं के खिलाफ की जाने वाली लड़ाइयां भी कमजोर पड़ जाती हैं।

कुछ दिक्कतें नई हैं, ज्यादातर पुरानी

अरविन्द मोहन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर अपने उद्बोधन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल में सम्पन्न लोक सभा चुनावों को लेकर जो कुछ कहा उससे असहमति मुश्किल है। अच्छी-अच्छी बातें हैं, संभवतरू अच्छी मंशा से भी कही गई हैं लेकिन समय और अवसर गलत चुने जाने से उनका प्रभाव शून्य ही दिखाई दे रहा है। टोकने-रोकने का काम समय पर होना चाहिए, गलती होने के बाद नहीं। मोदी विरोधी लोग(पक्ष और प्रतिपक्ष के) इन बातों से प्रसन्न हैं तो नरेंद्र मोदी शुरूआती खटकों के बाद अपने पुराने रंग में लौट गए हैं। चार सौ पार के नारे के बाद 63 सीटें गंवा कर भी उनकी भाजपा न सही एनडीए सरकार बन गई है, सब कुछ पूर्ववत हो चुका है और उनके कटाक्षपूर्ण और हवाई बातों का दौर शुरू हो गया है। पिछली सरकार के 71 में से 33 लोग ही जनता और उनका भरोसा पाकर मंत्री बने हैं लेकिन वे कब से सभी मंत्रियों से सौ दिन का एजेंडा बनाने की बात करते रहे हैं जिससे विकास की गति बढ़ाई जाए और भारत जल्दी से दुनिया की एक शक्ति बन जाए। नए मंत्रियों को उनके विभाग का पता पहली कैबिनेट की बैठक में ही चला लेकिन विजन दस्तावेज मसलों को उठाया वह सीधे-सीधे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व(खासकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह) को संबोधित लगती हैं। ऐसी ही एक समीक्षा संघ के मुखपत्र में भी हुई है और उसमें भी भाजपा नेतृत्व को मंत्रिमंडल के गठन में सामाजिक इंजीनियरिंग का दिखा। अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव की सामाजिक इंजीनियरिंग इस बार भाजपा पर भारी पड़ी और बाद में प्रधानमंत्री ने लाख और घटिया स्तर और इसके चलते विशेष अवसर अर्थात आरक्षण की बात भी बेमानी होने की है। मोदी जी के अभियान में भी नई जाति की गिनती कराने की कोशिश की गई लेकिन बे-असर रही। जानकार बताते हैं कि मोदी बदलाव होगा। कई हो चुके फैसलों पर पुनर्विचार और समीक्षा हो सकती है। लोक सभा के साथ हुए विधानसभा चुनाव में ओडिशा में निर्णायक जीत हासिल करके भी पार्टी ने एक प्रतिभाशाली आदिवासी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी। यह सब गिनवाने के बाद भी कहना होगा कि मोदी कैबिनेट का असंतुलन बना हुआ है, भाजपा का प्रभुत्व, मुसलमानों से दूरी और लाख नारा लगाने के बावजूद औरतों की दिखावटी भागेदारी है-कार्यक्षमता और योग्यता के मामले में भी नया प्रयोग नहीं हुआ है। परिवार के बुजुर्ग भागवत के कहने का मतलब तो है ही। सबसे बड़ा मतलब तो यह है कि संघ और भाजपा के बीच सब कुछ सामान्य नहीं है। लेकिन इसका ज्यादा बड़ा मतलब यह है कि इस बार की धुलाई न होती, अगर संघ के लोग काम करते। यह असल में संघ को दोषमुक्त करने का बयान है जबकि अहंकार और निजी दुगुणों के अलावा ज्यादातर गलतियां संघ की बुनियादी सोच से आई हैं। जाति को न मानना और पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के प्रति नजरिए में तो मोदी जी संघ से काफी आगे हैं। उनका मुसलमान द्वेष संघ से मिली घुट्टी का नतीजा है जो पंद्रह-सोलह फीसदी वोटों को उनसे दूर रखता है। और अब इसके बदले कोई हिन्दू ध्रुवीकरण भी नहीं हो पा रहा है। कश्मीर की तीन सीटों की परवाह छोड़कर देश भर में उसे मुद्दा बनाकर राष्ट्रवाद और हिंदूवाद की अलख जगाने का दांव भी अब भारी पड़ रहा है तभी भाजपा को कश्मीर घाटी में उम्मीदवार उतारने की हिम्मत नहीं हुई। देश और संविधान के प्रति पक्का वफादार अब्दुल्ला परिवार और महबूबा की हार हुई और संदेहास्पद पृष्ठभूमि के लोग जीते हैं। खुद को विशाल सांस्कृतिक संगठन बताने वाले संघ का छुआछूत हटाने और दलितों के प्रति ही नहीं महिलाओं के प्रति क्या रुख रहा है यह सर्वज्ञात है। इसलिए अब अगर मोदी को अपने उम्मीदवारों में जीतने लायक मुसलमान, महिला और पिछड़े उम्मीदवार नहीं मिलते और वे निरंतर सवर्ण, हिन्दू और पुरुष प्रधान दल और सरकार चलाते आ रहे हैं तो इसमें जितना कसूर उनका है, संघ का भी उतना ही कसूर है। उनके व्यवहार में लोकतंत्र का निरादर जरूर दिखता है लेकिन खुद संघ कितने लोकतान्त्रिक ढंग से चलता है यह भी सोचना चाहिए। अगर भाजपा और मोदी ने कुछ सार्थक बदलाव लोकतान्त्रिक और चुनावी अनुभवों से किया है तो संघ ने उतना भी नहीं किया है। और सत्ता में आई भाजपा के साथ संघ का और उसके श्तपे-तपाएय स्वयंसेवकों के क्या रिश्ते बने है, वे किस किस स्तर पर जाकर भाजपा और सत्ताधारी नेताओं की सेवा करते हैं और खुद उनका आचरण कितना बदला है, इस पर भी किसी और से ज्यादा संघ प्रमुख को ही सोचना होगा। और मोरवी या बांग्लादेश के समय वाला सेवाभाव क्यों विदा हो गया है यह तो सोचना ही चाहिए।

और ऐसा भी नहीं है कि नरेंद्र मोदी एंड कंपनी ने जनादेश की परवाह नहीं की है। और नतीजे आने के बाद उनकी भाव भंगिमा बदली भी थी, अमित शाह खुद ही राजनाथ जी, जेपी, नीतीश और नायडू को मोदी के पास की जगह देने लगे और मोदी जी को भी अपने फ्रेम में इन चेहरों के आने से कोई परेशानी नहीं लगी। लेकिन उससे भी बड़ा बदलाव मंत्रिमंडल के गठन में सामाजिक इंजीनियरिंग का दिखा। अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव की सामाजिक इंजीनियरिंग इस बार भाजपा पर भारी पड़ी और बाद में प्रधानमंत्री ने लाख और घटिया स्तर पर उतरकर भी कोशिश की लेकिन चुनाव में सांप्रदायिक धुवीकरण नहीं हों पाया जबकि जाति का कार्ड असरदार रहा। सहयोगी दलों को भाव देना, ज्यादा मंत्री बनाना तो एक स्तर पर मजबूरी हो सकती है लेकिन इस सोशल इंजीनियरिंग का श्रेय तो...

सभा चुनावों को लेकर जो कुछ कहा उससे असहमति मुश्किल है। अच्छी-अच्छी बातें हैं, संभवतरू अच्छी मंशा से भी कही गई हैं लेकिन समय और अवसर गलत चुने जाने से उनका प्रभाव शून्य ही दिखाई दे रहा है। टोकने-रोकने का काम समय पर होना चाहिए, गलती होने की मांग पहले से शुरू हो गई थी। एनडीए के सहयोगी दल भी उनके आभामंडल के आगे नतमस्तक लगते हैं। और राजनीति का क ख ग समझने वाला भी जानता है कि भागवत जी ने जिस मयार्दा का, प्रतिपक्ष के आदर का, चुनाव में घटिया और समाज को नुकसान पहुंचाने वाली बातें उठाने की शिकायत का, मणिपुर की सुनवाई का, अहंकार न करने जैसे जिन भरपूर कोसा गया है। और ऐसा भी नहीं है कि नरेंद्र मोदी एंड कंपनी ने जनादेश की परवाह नहीं की है। और नतीजे आने के बाद उनकी भाव भंगिमा बदली भी थी, अमित शाह खुद ही राजनाथ जी, जेपी, नीतीश और नायडू को मोदी के पास की जगह देने लगे और मोदी जी को भी अपने फ्रेम में इन चेहरों के आने से कोई परेशानी नहीं लगी। लेकिन उससे भी बड़ा बदलाव पर उतरकर भी कोशिश की लेकिन चुनाव में सांप्रदायिक धुवीकरण नहीं हों पाया जबकि जाति का कार्ड असरदार रहा। सहयोगी दलों को भाव देना, ज्यादा मंत्री बनाना तो एक स्तर पर मजबूरी हो सकती है लेकिन इस सोशल इंजीनियरिंग का श्रेय तो पूरी तरह मोदी जी को है। यह चुनावी युद्ध से निकले अनुभव का भी परिणाम है जबकि संघ की शिक्षा जाति का कोई चीज न होना के पहले कैबिनेट की तुलना में संघ की पृष्ठभूमि वाले मंत्रियों की संख्या में बीस की कमी की गई है। यह दल बदल भर नहीं माना जा सकता- कहीं न कहीं इसमें अपने लोगों की प्रतिभा और क्षमता काम होने के एहसास के साथ बाहर के प्रतिभाशाली लोगों को अपनाने का दबाव भी काम करता है। साफ लगता है कि आने वाले दिनों में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों में भी

संक्षिप्त सामाचार

फर्नीचर शोरूम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के लेखराज मार्केट के पास स्थित एक फर्नीचर शोरूम में शनिवार को आग लग गई। जिसके बाद वहां अफरा तफरी मच गई। इतना ही नहीं स्थानीय लोगों ने इस दौरान आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन लोगों का प्रयास नकाफी रहा, आग लगातार विकराल रूप लेती जा रही थी। हालांकि मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। दरअसल, फर्नीचर के जिस शोरूम में आग लगी थी। वहां प्लास्टिक की कुर्सियां रखी हुईं थीं। जिसमें आग लगने के बाद स्थित और भयावह हो गई। एक तरफ लोग आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे, तो वहीं दूसरी तरफ आग विकराल रूप लेती जा रही थी। चारो तरफ धुआं ही धुआं फैल रहा था। जिससे आग बुझाने में खासी दिक्कत हो रही थी। फर्नीचर शोरूम में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों की माने तो दुकान में रखा माल जलकर खाक हो गया है। इस शोरूम में प्लास्टिक के फर्नीचर रखे हुये थे।

सड़क हादसे में नगर पंचायत कर्मचारी की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। बख्शी का तालाब नगर पंचायत में काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी को ड्यूटी पर जाते समय तेज रफ्तार हाफ डाले ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को नजदीकी सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन गम्भीर घायल होंने के करण उसे केजीएमयू (ट्रामा सेंटर) रेफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिंगवा थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी उदयभान गौतम (25) व उनके पिता किशोर गौतम नगर पंचायत बख्शी का तालाब में आउटसोर्स कर्मचारी (सफाई कर्मचारी) के तौर पर कार्यरत है। शनिवार की तड़के सुबह वह अपने पिता के साथ मोटरसाइकिल से काम पर निकले थे। पिता किशोर गौतम के मुताबिक उनकी ड्यूटी की जगह लड़के ने उन्हें भैंसामऊ वार्ड में छोड़ दिया था जिसके बाद करीब सुबह पांच बजे वह अपनी ड्यूटी के लिए नगर पंचायत कार्यालय जा रहा था। तभी आरआर इंस्टीट्यूट के आगे तेज रफ्तार हाफ डाला ने पीछे से मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह उछलकर दूर जा गिरा और गम्भीर रुप से घायल हो गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया जहाँ स्थित नाजुक होने के चलते उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था।

बोरिंग मिस्त्री की आंखों में धूल झोंक नगदी और मोबाइल लूट ले गए बदमाश

लखनऊ (संवाददाता)। बख्शी का तालाब थाना अंतर्गत चंद्रिका देवी रोड़ स्थित हरदौरपुर गांव के पास किसान पथ अंडरपास के नीचे बीती देर रात तीन मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने बोरिंग मिस्त्री को रोककर रास्ता पूछने लगे। जिसके बाद एक बदमाश ने मिस्त्री की आंख में सड़क किनारे से मिटटी उठाकर उसकी आंखों में झोंक दिया और नगदी समेत मोबाइल लूट ले गए। इटौंजा थाना क्षेत्र के उसरना ग्राम पंचायत के मझिगवां गांव निवासी बोरिंग मिस्त्री (नलकूप मिस्त्री) शिवनाथ शुक्रवार की रात्रि करीब साढ़े ग्यारह बजे अपना काम करके अकेले मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। तभी चंद्रिका देवी रोड़ पर स्थित किसान पथ अंडरपास के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने मिस्त्री को ओवरटेक कर रुकने का इशारा किया तो मिस्त्री ने मोटरसाइकिल रोंक दी। जिसके बाद वह उनसे इंदौराबाग की तरफ जाने का रास्ता पूछने लगे। शिवनाथ के मुताबिक अचानक एक बदमाश ने सड़क किनारे पड़ी धूल (मिट्टी) उठाकर उनकी आंखों में झोंक दिया जिससे उन्हें दिखना बंद हो गया और बदमाश उनकी जेब से दस हजार रुपये की नगदी समेत मोबाइल फोन लूटकर इंदौराबाग की तरफ भागे। मिस्त्री ने बाइक सवार तीनों का कुछ दूर तक पीछा भी किया परतुं कुछ दूर बाद वह ओझल हो गए।जिसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी 112 नम्बर पर दी। लेकिन बदमाशों का कोई पता नहीं चल सका। प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली से आये योग टीचर का सरकारी गेस्ट-हाउस में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी स्थित सरयू गेस्ट हाउस में शनिवार को एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान डॉ. गुरुदेव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि डॉ. गुरुदेव दिल्ली स्थित मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में प्रवक्ता के पद पर तैनात थे। डॉ. गुरुदेव राजधानी के टुड़ियागंज स्थित राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के कार्यक्रम में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे। शुक्रवार रात वह सरयू गेस्ट हाउस में आकर रुके थे। शनिवार सुबह गेस्ट हाउस के कर्मचारियों ने जब उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया, तो अन्दर से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर इंतजार करने के बाद भी जब कमरे से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। तब जाकर गेस्ट हाउस प्रबंधन को इसकी सूचना दी गई। आनन-फानन में गेस्ट हाउस प्रबंधन ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा, तो देखा कि कमरे में डॉ. गुरुदेव बेहोश पड़े हुये थे। इस दौरान सिविल अस्पताल के डॉक्टर और आयुष विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। चिकित्सक ने डॉ. गुरुदेव को देखने के बाद मृत घोषित कर दिया है।

मोहनलालगंज तहसील पर हुआ हंगामा, समाधान दिवस की कार्रवाई बाधित

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की कार्रवाई उस समय बाधित हो गई जब वहां अधिवक्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार एक अधिवक्ता की शिकायत पर मुकदमा न दर्ज होने से नाराज सैकड़ो अधिवक्ता तहसील पहुँच गए और हंगामा करने लगे। अधिवक्ताओं ने एसीपी मोहनलालगंज पर एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाया है। इस हंगामे के चलते तकरीबन एक घंटे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का काम बाधित रहा।

यूपी के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र जून में हो रहे रिटायर, रेस में कई आईएएस अधिकारियों के नाम

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी सरकार में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का 30 जून को तीसरी बार बढ़ा हुआ सेवा विस्तार पूरा हो रहा है। ऐसे में अगला मुख्य सचिव कौन होगा, इसको लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। मुख्य सचिव बनने की दौड़ में मनोज कुमार सिंह, देवेश चतुवेर्दी, एसपी गोयल सहित कई सीनियर आईएएस अधिकारियों के नाम चर्चा में हैं। अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल और अपर मुख्य सचिव नियुक्ति देवेश चतुवेर्दी को उत्तर प्रदेश सरकार से केंद्र के लिए एनओसी दे दी गई है। ये दोनों अधिकारी भारत सरकार के सचिव पद के लिए पहले से इम्पैनल्ड हैं। सबसे ज्यादा संभावना मुख्य सचिव बनने वालों में मनोज कुमार सिंह की है। उनका रिटायरमेंट भी अगले साल है। चीफ सेक्रेटरी की तैनाती के साथ ही उत्तर प्रदेश के ब्यूरोक्रेसी के कई अहम पदों पर भी तमाम तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे। जैसे कि मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव या अपर मुख्य सचिव के पद पर भी फेरबदल होगा। प्रमुख सचिव नियुक्ति कार्मिक, कृषि उत्पादन आयुक्त जैसे तमाम महत्वपूर्ण पदों पर दूसरे अफसरो की पोस्टिंग के साथ यूपी ब्यूरोक्रेसी के समीकरण बदले हुए नजर आएंगे। मनोज कुमार सिंह 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इस वक्त सूबे के ताकतवर आईएएस अधिकारियों में शुमार हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीबी माने जाते हैं। ब्यूरोक्रेसी में नंबर दो कृषि उत्पादन आयुक्त के पद पर तैनात हैं। मुख्य सचिव के बाद यूपी की ब्यूरोक्रेसी में सबसे ताकतवर पद उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन आयुक्त का होता है। मनोज सिंह के पास औद्योगिक विकास आयुक्त के साथ ही कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी भी है। एसपी गोयल 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काफी विश्वसनीय अधिकारियों में से एक हैं। उत्तर प्रदेश में जब से मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभाली है, तब से वह मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात हैं। हालांकि गोयल दिल्ली जाकर सचिव पद पर तैनाती के लिए प्रयासरत हैं और लोकसभा चुनाव के बीच में ही राज्य सरकार ने उन्हें एनओसी दे दी है। चर्चा ये भी है कि केन्द्र सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय में उन्हें सचिव पद पर तैनात किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो सबसे बड़े राज्य के चीफ सेक्रेटरी बनने का उनका सपना अधूरा रह जाएगा। देवेश चतुवेर्दी 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण विभाग में तैनात हैं। प्रमुख सचिव नियुक्ति के साथ-साथ कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद की जिम्मेदारी भी उनके पास है। देवेश साफ सुथरी छवि के अधिकारी माने जाते हैं और मुख्यमंत्री के साथ-साथ दिल्ली में भी उनके अच्छे रिश्ते हैं। एसपी गोयल की तरह देवेश चतुवेर्दी को भी केंद्र सरकार में पोस्टिंग का अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्गा शंकर मिश्रा उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के रहने वाले हैं. दुर्गा शंकर मिश्र ने आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। वे यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टन सिडनी से एमबीए कर चुके हैं। साथ ही इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, द हेग से पब्लिक पॉलिसी में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी किया है।

अयोध्यावासियों को कोई क्यों कहे भला बुरा?

➤ नफरत की हार है फैजाबाद में सपा की जीत

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी की हार के बाद से ये सीट चर्चा में बनी है। सोशल मीडिया पर लोग अयोध्यावासियों को भला बुरा कह रहे, जिसके बाद समाजवादी पार्टी ने तमाम आलोचकों को जवाब दिया है। समाजवादी पार्टी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नाम का हवाला देते हुए कहा कि अयोध्या में बीजेपी की जो हुई है वो नफरत की राजनीति की है। सपा ने एक्स पर लिखा, नफरत की हार है अयोध्या में सपा की जीत। जिस अयोध्या को बीजेपी सबसे आसान सीट मान रही थी, उसी सीट पर बीजेपी को पटकनी देने के बाद समाजवादी पार्टी काफी उत्साहित है। सपा ने अयोध्या में समाजवादी पार्टी को मिली जीत को नफरत की हार बताया है। इससे पहले अयोध्या से चुनाव जीतने के बाद सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भी अयोध्या वालों को भला बुरा कहने वालों पर निशाना साधा था।उन्होंने कहा श्आज कोई मां के पेट से राजा पैदा नहीं होगा, जनता के वोट से पैदा होंगे।प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि अयोध्या की जनता को अपमानित करने वाले लोगों के दिल और दिमाग को शुद्ध रखें, शांत रखें।आरएसएस और भाजपा दलितों से कितना नफरत करती है। अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी की हार की उम्मीद शायद किसी को भी नहीं थी, बीजेपी इस सीट को सबसे ज्यादा आसान मानकर चल रही थी, लेकिन उसी सीट पर सपा के हाथों पार्टी को हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोशल मीडिया पर अयोध्यावासियों को लेकर कई तरह बातें की जा रही हैं।

पेपर लीक सुनते-सुनते पक गये कान, युवाओं के मन में पनप रही निराशा

लखनऊ (संवाददाता)। हर परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है। पेपर लीक, पेपर लीक सुनते सुनते युवाओं के मन में धारणा बन रही है कि सरकारी नौकरी अब दिवास्वप्न है। आमजन के भी रोज यही सुनते-सुनते कान पक गये हैं। मेरिटोरियस के भी मन में निराशा है। जमकर तैयारी करके परीक्षा में बैठते हैं और रिजल्ट जारी होने का इंतजार करते हैं लेकिन इससे पहले ही परीक्षा निरस्त हो जाती है क्योंकि पेपर लीक होने की सूचना आम हो जाती है।आईएएस की परीक्षा में कभी पेपर लीक होने की बात सामने नही आई, क्यों, यह अहम सवाल है।जब आईएएस की परीक्षा ईमानदारी से हो सकती है तो दूसरी परीक्षा क्यों नही। नीट की परीक्षा में खासी फजीहत हुई है। दोबारा एग्जाम होगा। अरे जब पीसीएस जे की परीक्षा सवालों के घेरे में आ गईं तो और इम्तिहान की बात ही करने को शेष नहीं रह जाता है। पेपर लीक आम होता जा रहा है। मेहनत करके भी सफल होने की कोई उम्मीद नहीं,यह धारणा नई पीढ़ी में पैदा हो रही है जो बहुत ही चिंतनीय विषय है। शासन और परीक्षा से जुड़े महकमे जबतक गम्भीर नही होंगे,सख्ती नही होगी तब तक कुछ अच्छा होने वाला नही। तमाम प्रतियोगी छात्र छात्राएं परीक्षा देते देते ओवरएज हो रहे हैं, उनके भविष्य की कोई चिंता करने वाला चाहिए। सरकार भले ही पेपर लीक की बात स्वीकार न करे लेकिन सारे बच्चे जिन्होंने नीट की परीक्षा में भाग लिया है, वह यह मानने को मजबूर हैं कि परीक्षा में जमकर धांधली हुई है। कहते हैं कि आईएएस बनने के लिए होने वाली परीक्षा यूपीएससी सिविल सेवा का पेपर आउट नही होता है, तो फिर दूसरी परीक्षाओं का क्यों होता है ? क्या इसमें वह सिस्टम शामिल है जो सरकार के समानांतर काम कर रहा है ? क्या नकल माफिया शामिल है या सरकार खुद अथवा इसके लिए बच्चे स्वयं दोषी हैं, जिन्होंने अच्छे भविष्य का सपना देखा है। सवाल बहुत सारे हैं लेकिन किसी का कोई जवाब नही। क्या सरकार युवाओं को खाद्य सुरक्षा की गारंटी देने जा रही है। अच्छा ही होता कम से कम पढ़ाई और भविष्य की चिंता से निजात मिल जाती। जब भी कोई पेपर आउट होता है तो पुलिस साल्वर बताकर छोटे लोगो को गिरफ्तार करके अपनी पीठ थपथपा लेती है लेकिन नकल का सिंडिकेट चलाने वालों पर कोई कार्रवाई नही होती है लगातार हो रही नवयुवकों की आत्म हत्या के लिए जिम्मेदार कौन है ? अब तो ऐसा लग रहा है कि बच्चों को परीक्षा की तैयारी करने के साथ धरना-प्रदर्शन की भी ट्रेनिंग लेनी चपड़ेगी जिससे वे पेपर आउट होने के बाद सरकार के ध्यानाकर्षण हेतु प्रोटेस्ट कर सकें। सरकार से भरोसा उठना हताशा व निराशा के साथ व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह के भाव आना भी खतरनाक संकेत हैं।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा आज, लखनऊ में बने 86 केंद्र, 40030 अभ्यर्थी होंगे शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ जिले में आज संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस परीक्षा 86 केंद्रों पर होगी। इस परीक्षा में 40 हजार 30 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसको लेकर पुख्ता तैयारी है। परीक्षा के लिए शासन की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में पांच आईएएस अधिकारी कमिश्नर लखनऊ मंडल डॉ. रोशन जैकब, खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा किंजल सिंह, सचिव नियोजन अनुराग यादव और स्वास्थ्य मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल को पर्यवेक्षक बनाया गया है। डीएम सूर्यपाल गंगवार ने परीक्षा सम्बन्धी जानकारी और समस्या के निवारण के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम की स्थापना कराई है, जिसका नंबर 0522-2618403 है।

किसी अभ्यर्थी को कोई दिक्कत हो तो वह इस नंबर पर कॉल कर सकता है। फोन पर ही दिक्कत को दूर हो जायेगी। जिलाधिकारी ने मातहतों को निर्देश दिया कि आयोग के दिशा निर्देशों को ठीक से पढ़ लें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आपदा की स्थिति या भ्रम हो तो तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को बेहिचक सूचना दें। लखनऊ जनपद में 86 केन्द्र हैं। 87 सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा केन्द्रों पर एक स्थानीय पर्यवेक्षक नियुक्त हैं। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9रू30 से दिन में 11.30 और दूसरी 2.30 से 4.30 के बीच होगी। परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट प्रश्नपत्र पुलिस सुरक्षा के बीच पहुंचाएंगे। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र के गेट की वीडियो रिकार्डिंग कराते हुए बंद करा दिया जाएगा, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

नैनीताल बैंक बेचने के विरोध में हड़ताल, अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधन से वार्ता विफल रहने पर नैनीताल बैंक के अधिकारी और कर्मचारी शनिवार को एक दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। इस दौरान लखनऊ, कानपुर और सीतापुर स्थित करीब 15 शाखाओं में किसी भी तरह का कोई काम नहीं हो रहा है। यानी कि ग्राहक सेवाएं पूरी तरह बाधित हैं। केवल लखनऊ, कानपुर और सीतापुर ही नहीं बल्कि नैनीताल बैंक की पांच राज्यों में स्थित सभी शाखाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आज के दिन काम बंद कर दिया है। बता दें कि नैनीताल बैंक की पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा दिल्ली और राजस्थान में शाखाएं हैं। लखनऊ स्थित नैनीताल

बैंक की शाखा में आज प्रदर्शन के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। कर्मचारी और अधिकारियों ने हमारी मांगे पूरी हो चाहे जो मजबूरी हो, लड़ेंगे हम जीतेंगे, कल भी हम जीते थे,आज भी हम जीतेंगे जैसे नारों से अपनी आवाज बुलंद की है। नैनीताल बैंक कर्मचारी यूनियन की सहायक महासचिव निशा कामथ ने बताया कि नैनीताल बैंक की स्थापना 1922 में यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत ने की थी। 1973 में इस बैंक के संचालन की जिम्मेदारी बैंक ऑफ बड़ौदा को सौंपी गई। बैंक में अपनी हिस्सेदारी 98.57 फीसदी तक बढ़ाकर बैंक ऑफ बड़ौदा ने 2016 मर्जर की प्रक्रिया चलाई। लेकिन, दिसंबर 2022 में बैंक ऑफ बड़ौदा की बोर्ड बैठक में नैनीताल बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेचने पर अंतिम मुहर लगा दी गई।

ईदगाह लखनऊ में ईद उल अजहा की नमाज कल सुबह दस बजे होगी

ईद-उल-अजहा की नामज के लिए तैय्यारियाँ मुकम्मल

लखनऊ (संवाददाता)। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह व काजी शहर लखनऊ ने ऐलान किया है कि ईद उल अजहा 17 जून को मनायी जायेगी। बकरीद की नमाज के लिए ईदगाह ऐशबाग लखनऊ में तैय्यारियॉ मुकम्मल हो गयी हैं। इस ऐतिहासिक मैदान में लाखों की संख्या में मुसलमान नमाज अदा करते हैं। तैय्यारियों के सिलसिले में इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया और ईदगाह कमेटी के जिम्मेदारों की एक मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि बकरईद 17 जून 2024 को होगी। इस मौके पर मुसलमान बड़ी संख्या में ईदगाह और विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करते है। इसलिए इस अवसर पर जिला प्रशासन व नगर निगम की जिम्मेदारी है कि ईदगाह और तमाम मस्जिदों के आस पास उचित सफाई कराऐ और बिजली व पानी की सप्लाई यकीनी बनाए। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा के मुबारक दिनों में शहर का अमन व अमान और सलामती बनाये रखने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। मौलाना ने कहा कि ईद उल अजहा की नमाज के मौके.पर सख़्त गर्मी से निजात के लिए खुदा पाक के हुजूर में बारिश के लिए दुआ की जायेगी। उन्होंने कहा कि कुबार्नी के जानवरों की आने जाने में किसी प्रकार की रूकावट न लगाई जाए। कुबार्नी जो कि 17, 18 और 19 जून 2024 को की जायेगी, इन दिनों में भी सफाई के विशेष प्रबन्ध सुनिश्चित किये जायें। मौलाना ने मुसलमानों से यह भी अपील की कि कुबार्नी की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें और उन्होने कहा कि यह जरूर ध्यान में रखें कि सड़क या आम रास्ते पर नमाज अदा न करें।

विशाल भंडारे में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे

लखनऊ (संवाददाता)। आशंका लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी, अवध बिहार योजना स्थित भागीरथी एनक्लेव अपार्टमेंट में देवगंगा कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सुंदरकांड पाठ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ज्येष्ठ महीने के शनिवार को यहां पर काफी संख्या में लोग पहुंचे। जानकारी के मुताबिक भंडारे की शुरूआत उत्तर प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने प्रसाद बांटकर किया।

काशी पहुंचे योगी, बाबा विश्वनाथ के किये दर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के पहले दिन कल शाम श्रीकाशी विश्वनाथ और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन करने पहुंचे। सीएम योगी ने काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किया। मंदिर के बाहर मुख्यमंत्री ने बच्चों से मिलकर उन्हें मंदिर का प्रसाद और चॉकलेट बांटा। सीएम योगी को अपने बीच पाकर बच्चे भी निहाल हो गये। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने षोडशोपचार विधि से बाबा का पूजन किया और लोक कल्याण की कामना की। वहीं मंदिर के बाहर और अंदर मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री का जय श्रीराम व हर हर महादेव के जय घोष से स्वागत किया। लोकसभा चुनाव के सकुशल संपन्न होने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह पहला काशी दौरा है। सीएम ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा देश-विदेश से आने वाले शिवभक्तों के लिए गर्मी को लेकर किये गये प्रबंधों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। योगी आदित्यनाथ आगामी 18 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संभावित काशी दौरे की तैयारियों की समीक्षा करने वाराणसी पहुंचे हैं।

छत पर मिली युवक की लाश, परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में 28 साल के युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। युवक गोमती रेजीडेंसी में सुरक्षा कर्मचारी के तौर पर तैनात था। वह देर रात तक घर नहीं पहुंचा और शनिवार सुबह करीब 6 बजे युवक का शव छत पर मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, अमित पांडेय (30) पुत्र सत्येंद्र पांडेय गोमती रेजीडेंसी में गार्ड व क्लीनर की नौकरी करता था। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ किराए के मकान में रहता था। शुक्रवार रात को वह घर नहीं पहुंचा। पत्नी ने कई बार फोन कॉल किया लेकिन अमित ने फोन नहीं उठाया। सुबह जब उसकी तलाश की जाने लगी तो वह छत पर ही मृत अवस्था में पाया गया। घबराई पत्नी ने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। बताया जा रहा है कि युवक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। मृत युवक अमित के परिजनों ने उसकी हत्या की अशंका जताई है। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्टर आने के बाद कुछ साफ हो पाएगा। फिलहाल पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है।

भंडारे में दिखा समभाव का नजारा, सिराज हुसैन ने हनुमान जी की विधिवत पूजा कर शुरू कराया भंडारा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में ज्येष्ठ माह में लगने वाले भंडारे की महत्ता इस कदर बढ़ चली है कि इसके आयोजन में जाति-धर्म और मजहब की दीवारें ध्वस्त होती जा रही हैं। श्रद्धाभाव का अद्भुत नजारा शनिवार को हजरतगंज के ओसीआर बिल्डिंग के पास देखने को मिला। यहां सिराज हुसैन ने भंडारा शुरू होने से पहले हनुमान जी की विधिवत पूजा के साथ सुंदरकांड के पाठ में भी संगत की। गले में गेरुआ गमछा डालकर सिराज लोगों को प्रसाद बांटने में देर शाम तक जुटे रहे। सिराज हुसैन ने बताया कि यहां हर साल भंडारे का आयोजन सर्वधर्म समभाव की तर्ज पर करते आ रहे हैं। सभी लोग तनमन धन से सहयोग और प्रसाद वितरण में सेवा करते हैं। यहां प्रसाद वितरण करने वालों में रवींद्र सिंह, आशीष श्रीवास्तव, संजीव कुमार, रविशंकर, संजय शुक्ला, संजीव श्रीवास्तव और दुर्गेश श्रीवास्तव ने प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

कद्दू आपकी खूबसूरती पर लगाएगा चार चांद

कद्दू का नाम सुनते ही लोग नाक-मुंह सिकुड़ने लगते हैं। ऐसे कम ही लोग होंगे जिन्हें कद्दू खाना पसंद हो। हालांकि, कद्दू बहुत सारे पोषक तत्वों से भरपूर एक पौष्टिक सब्जी है, जो हमारे शरीर को पोषण देने के साथ-साथ हमारे स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने का काम भी करता है। समय के साथ या बढ़ते प्रदूषण से हमारे चेहरे की रंगत फीकी पड़ने लगती है स्किन पर दाग, धब्बे, डार्क सर्कल्स, झाइयां, पिंपल्स, स्किल्स, जैसी समस्याएं पैदा होने लगती हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए कद्दू का इस्तेमाल करना एक बहुत ही फायदेमंद और नेचुरल विकल्प है। इसमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन से जुड़ी लगभग सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाते हैं। तो फिर देर किस बात कि आइए जानते हैं मे कद्दू के इस्तेमाल के बारे में और इसके नियमित इस्तेमाल के तरीकों के बारे में।

कद्दू में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई होता है। इसके अलावा, इसमें अल्फा-हाइड्रॉक्सी एसिड, एंटी ऑक्सीडेंट और एंजाइम भी पाए जाते हैं, जो हमारी स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखने का काम करते हैं। इसमें मौजूद फैटी एसिड्स और विटामिन ई बालों को पोषण देते हैं। इतना ही नहीं, कद्दू में मौजूद जिंक और सेलेनियम चेहरे पर एजिंग को स्लो करने में मदद करते हैं।

फेस पैक के रूप में

कद्दू का इस्तेमाल फेस पैक के रूप में बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए एक बड़े चम्मच दही में एक चम्मच शहद, आधा चम्मच हल्दी पाउडर और दो कप पीसे हुए कद्दू को मिक्स करें और फिर इसे अपने गर्दन और चेहरे पर लगाएं और फिर इसे 20- 25 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ते हुए नॉर्मल पानी से धो लें।

मॉइश्चराइजर के रूप में

कद्दू का मॉइश्चराइजर के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कद्दू से मॉइश्चराइजर बनाएं। इसे बनाना भी काफी आसान है। इसके लिए कद्दू के पेस्ट में एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल और नारियल तेल मिक्स करें। इस पेस्ट को रात में सोने से पहले अपने चेहरे पर लगाएं और फिर सुबह उठकर नॉर्मल पानी से धो लें। ऐसा करने से आपके चेहरे पर निखार आएगा और दाग धब्बे दूर हो जाएंगे।

स्क्रब के रूप में

कद्दू से स्क्रब बनाने के लिए कद्दू के पेस्ट में एक बड़ा चम्मच नींबू का रस और एक बड़ा चम्मच दही और शहद मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 5 मिनट मसाज करें। 10 मिनट बाद इसे नॉर्मल पानी से धो लें।

आपके बच्चे की आंखों की रोशनी छीन सकता है Cataract

मोतियाबिंद, जिसे भी कहा जाता है, आंखों से जुड़ी एक आम समस्या है। इसकी वजह से अक्सर आंखों के नेचुरल लेंस पर धुंधलापन हो जाता है। यह एक गंभीर समस्या इसलिए है, क्योंकि यह दुनिया खासकर भारत में बचपन में अंधेपन का एक प्रमुख कारण है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, मोतियाबिंद बच्चों में विजन लॉस में अमह योगदान देता है। ऐसे में समय रहते इसकी पहचान कर सही इलाज करना जरूरी है।

ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे बच्चों में मोतियाबिंद के शुरूआती लक्षणों के बारे में, जिससे आप समय रहते इसकी पहचान कर अपने बच्चों को किसी गंभीर परिणाम से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं बच्चों में मोतियाबिंद के कुछ वॉर्निंग साइन्स-

कम रोशनी में देखने में कठिनाई

अगर आपके बच्चों को कम रोशनी में देखने में परेशानी हो रही है, तो यह मोतियाबिंद का संकेत हो सकता है। इसकी वजह से आपके बच्चों को बेडटाइम रीडिंग और कम रोशनी वाली जगहों में खेलने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में अपने बच्चों में नजर आने वाले इन लक्षणों पर गौर करें और इन्हें नजरअंदाज करने से बचें।

ब्लर विजन

ब्लर विजन मोतियाबिंद का सबसे प्रमुख लक्षण है। मोतियाबिंद की वजह से जैसे ही आंख का लेंस अपारदर्शी हो जाता है, तो यह रोशनी के मार्ग को ब्लॉक कर देता है, जिससे साफ दिखना कम हो जाता है। अगर आपके बच्चे भी ब्लर विजन का अनुभव कर रहे हैं, तो यह मोतियाबिंद की शुरूआत हो सकती है।

रोशनी के प्रति के संवेदनशीलता

मोतियाबिंद होने पर बच्चे अक्सर प्रकाश के प्रति बहुत ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं, जिसे फोटोफोबिया भी कहा जाता है। इसकी वजह से तेज रोशनी असुविधाजनक और कभी-कभी दर्दनाक हो सकती है, जिससे बच्चे भेंगापन महसूस करते हैं या रोशनी से दूर हो जाते हैं।

आंखों में सफेद-भूरे रंग का धब्बा

बच्चों में मोतियाबिंद के स्पष्ट लक्षणों में से एक आंखों की पुतली में ध्यान देने योग्य सफेद-भूरे रंग का धब्बा है। यह शारीरिक बदलाव अक्सर माता-पिता या देखभाल करने वाले लोग पता लगा सकते हैं और इसके लिए तुरंत मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत होती है।

खराब आई कॉन्टैक्ट

मोतियाबिंद होने पर शिशु और छोटे बच्चे अपनी कमजोर विजन के कारण आई कॉन्टैक्ट करने से बच सकते हैं। जुड़ाव की इस कमी को अन्य विकासात्मक मुद्दों के रूप में देखा जा सकता है। अगर आपके बच्चे में भी आपको यह संकेत नजर आ रहे हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

जामुन का नाम सुनते ही हमारे मन में सबसे पहले एक गहरे बैंगनी, गोलाकार फल की तस्वीर नजर आती है। यह ढेर सारे पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिसकी वजह से इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह गर्मियों में मिलने वाला एक लोकप्रिय फल है, जिसे लोग बड़े चाव से खाते हैं। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जामुन सिर्फ एक ही तरह के होते हैं, लेकिन अगर हम कहें कि जामुन सफेद भी होते हैं, तो क्या आप यकीन करेंगे।

बेहद कम लोगों ने ही सफेद जामुन के बारे में सुना होगा। इसे ज्यादातर लोग वैक्स एप्पल के रूप में भी जानते हैं। यह जामुन की एक ऐसी किस्म है, जिसके बारे में ज्यादा लोगों को नहीं पता। जैसा कि नाम से पता चलता है यह जामुन बैंगनी होने की बजाय सफेद रंग का होता है और इसका स्वाद मीठा और खट्टा होता है। यह सेहत के लिए भी काफी गुणकारी होता है। हाल ही में न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर इसके कुछ फायदे शेयर किए।

इम्युनिटी बूस्ट करे

सफेद जामुन विटामिन ए और सी से भरपूर होता है, जो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर इम्युनिटी बूस्ट करता है और आपकी त्वचा को गर्मियों के लिए तैयार रखता है।

पेट के लिए फायदेमंद

इस फल में हाई फाइबर कंटेंट पाया जाता है, जिससे इसके इस्तेमाल से आपका पाचन बेहतर होता है और आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे वजन प्रबंधन भी आसान हो जाता है।

हाइड्रेशन बनाए रखे

सफेद जामुन को गर्मियों में खाना बेहद फायदेमंद होता है। इसमें पानी की मात्रा 90% होती है, जिससे सफेद जामुन एक गर्मियों में एक वॉटर कूलर की तरह काम करता है, जो आपको इस पूरे सीजन ठंडा और तरोताजा रखता है।

हार्ट हेल्थ का ख्याल रखने के लिए ब्रेकफास्ट में शामिल करें ये हेल्दी डिशेज

आजकल की भाग-दौड़ भरी लाइफ में न खाने का कोई तय समय है और ना ही सोने और वर्क आउट करने के लिए समय रह गया है। इसकी वजह से ज्यादातर लोग हार्ट हेल्थ की समस्याओं से प्रभावित होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज के समय में स्ट्रोक, हार्ट अटैक आने जैसी समस्याएं भी आम हो गई हैं। पहले के लोग जहां देसी चीजों और नुस्खों को अपनाकर हेल्दी रहा करते थे, वहीं आज के लोग पहले से अधिक सुख-सुविधा में रहकर भी अस्वस्थ होते जा रहे हैं। ऐसे में खुद के लाइफस्टाइल और खानपान का परिर्वतन कर हम अपने हार्ट को हेल्दी बनाए रख सकते हैं। इसके लिए सुबह के ब्रेकफास्ट में कुछ देसी नाश्ते को एड करना बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। तो आइए जानते हैं इनके बारे में।

छाछ

हार्ट को हेल्दी बनाए रखने के लिए सुबह के वक्त छाछ का सेवन बेहतरीन नाश्ता विकल्प है। इससे हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, जिससे हार्ट हेल्थ को बढ़ावा मिलता है।

उपमा

सुबह के ब्रेक फास्ट में उपमा का सेवन एक स्वाद से भरपूर विकल्प है, जो आयरन और अन्य कई पोषक तत्वों से युक्त होता है। ये किडनी हेल्थ को बढ़ावा देता है और हार्ट को भी स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है।

दही चूड़ा

सुबह के नाश्ते में दही चूड़ा का सेवन सेहत से भरपूर है। हाई फाइबर से युक्त गुड फैट शरीर में बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल लेवल को मेंटेन रखने में सहायक होता, जो हार्ट को स्वस्थ बनाए रखता है।

इडली

बिना घी तेल और मसाले से बनने वाली इडली भी हमारे हार्ट को कोई नुकसान नहीं पहुंचाने वाला नाश्ता है। इसे भी आप खा सकते हैं।

मूंग दाल चीला

मूंग दाल चीला में कोलेस्ट्रॉल और अनहेल्दी फैट की मात्रा कम होती है, जो हार्ट प्रॉब्लम के खतरे को कम करने में सहायक होता है।

ढोकला

ढोकला एक ऐसी डिश है, जो स्वादिष्ट होने के साथ साथ सेहत से भरपूर भी है। यह कैल्शियम,पोटेशियम, फाइबर और मैग्नीशियम से युक्त होता है, जो हमारे हार्ट को हेल्दी बनाए रखने में सहायक होता है।

ड्राई क्लीनिंग के पैसे भी बचेंगे और सोफा भी हो जाएगा साफ

घर का लुक लिविंग रूम के सोफे से ही बेहतर बनता है। यही वजह है कि सोफा खरीदते समय हम जरूर ध्यान रखते हैं कि ये बैठने में आरामदायक होने के साथ-साथ देखने में भी शानदार हो, ताकि ड्राइंग रूम क्लासी दिखे। लेकिन डेली यूज में आने की वजह से ये गंदा भी बहुत जल्दी हो जाता हैं।

ऐसे में इनकी ड्राई क्लीनिंग पर बहुत खर्चा आता है। गंदा सोफा देखने में अच्छा नहीं लगता और साथ ही, यह हाइजीन के हिसाब से भी नुकसानदेह होता है। इसलिए समय-समय पर इनकी सफाई बेहद जरूरी होती है। सोफे को क्लीन करने के लिए आप खुद ही घर पर कुछ क्लीनिंग हैक्स अपना कर इसे साफ कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं सोफा साफ करने के लिए कुछ क्लीनिंग टिप्स के बारें में।

नींबू के रस का उपयोग करें

नींबू का घर के काम में अनेक तरह से उपयोग किया जाता है। इससे किसी भी तरह के दाग धब्बों को हटाया जा सकता है। ऐसे में सोफे पर लगा दाग भी नींबू की मदद से आसानी से हटाया जा सकता है। इसके लिए दाग वाली जगह पर नींबू के रस को स्प्रे करें, और फिर इसे 15- 20 मिनट बाद किसी कॉटन कपड़े से रगड़कर साफ कर लें। जरूरत के अनुसार पानी का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

वैक्यूम क्लीनिंग

सोफा अगर आप हमेशा साफ रखना चाहती हैं, तो इसे हफ्ते में कम से कम एक दिन वैक्यूम क्लीनर से जरूर साफ करें। ऐसा करने से हमेशा ही सोफा साफ रहेगा।

बेकिंग सोडा करेगा कमाल

बेकिंग सोडा पाउडर की मदद से भी सोफे के दाग-धब्बों और गंदगी को बहुत ही आसानी से हटाया जा सकता है। इसके लिए बेकिंग पाउडर को सोफे पर छिड़कें, हो सके तो रात में ही सोफे पर बेकिंग पाउडर को चारों तरफ छिड़क कर छोड़ दें और सुबह उठकर वैक्यूम क्लीनर से इसे अच्छे से साफ करें। बेकिंग सोडा सोफे की गंदगी को पूरे तरीके से साफ कर देगा साथ ही इसमें आई दुर्गंध को भी हटा देगा।

विनेगर का पानी

सोफे पर पड़े दाग धब्बों को हटाने के लिए विनेगर का पानी भी बहुत ही कारगर साबित होगा। इसके लिए आधा कप विनेगर में आधा कप पानी मिलकर एक स्प्रे बॉटल में भरें और दोनों को अच्छे से मिक्स करें और इससे दाग धब्बों वाली जगह पर स्प्रे करें। फिर एक घंटे बाद किसी साफ कपड़े से रगड़कर साफ करें।

लिक्विड सोप

गर्म पानी में थोड़ा सा लिक्विड सोप या शैम्पू को मिक्स करें और फिर इससे सोफे के कवर पर लगे दाग धब्बों वाली जगह पर स्प्रे करें। फिर स्पंज की मदद से रगड़कर साफ करें।

क्या महिलाओं की तरह पुरुषों को भी होता है मेनोपॉज

महिलाओं में मेनोपॉज के बारे में शायद आप जानते होंगे कि 45-55 साल की उम्र में उनमें रजोनवृत्ति होती है, यानी पीरियड्स आने बंद हो जाते हैं। ऐसा एस्ट्रोजेन हार्मोन की कमी की वजह से होता है। ऐसे ही, बढ़ती उम्र के साथ पुरुषों में भी कुछ हार्मोनल बदलाव होते हैं। लेकिन क्या पुरुषों में भी मेनोपॉज जैसा कुछ होता है और क्या उनमें भी महिलाओं की तरह अचानक हार्मोन्स में गिरावट होने लगती है इस बारे में जानने के लिए हमने डॉक्टर्स से बात की। आइए जानते हैं कि मेल मेनोपॉज के बारे में उन्होंने क्या जानकारियां साझा की।

क्या है मेल मेनोपॉज

डॉ. मनीषा अरोड़ा (मैक्स अस्पताल, गुरुग्राम के स्त्री रोग एंव प्रसुति विभाग की निदेषक और यूनिट प्रमुख) ने बताया कि पुरुषों में भी मेनोपॉज जैसे बदलाव आते हैं, जिसे एंड्रोपॉज या मेल मेनोपॉज कहा जाता है। ऐसा टेस्टोस्टेरोन के स्तर में कमी होने की वजह से होता है। हालांकि, महिलाओं की तरह यह अचानक शुरू नहीं होता, बल्कि धीरे-धीरे होता है। पुरुषों में 30 साल की उम्र के बाद धीरे-धीरे टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है। हर साल उनमें औसतन 1 प्रतिशत की कमी होती है। हालांकि, बढ़ती उम्र के साथ कई बार अन्य वजहों से भी टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का स्तर कम हो सकता है।

मेल मेनोपॉज के लक्षण

इसके बारे में आगे बताते हुए डॉ. अरोड़ा ने कहा कि पुरुषों में एंड्रोपॉज या मेल मेनोपॉज 45 वर्ष से 55 वर्ष के बीच अधिक देखने को मिलता है। टेस्टोस्टेरोन हार्मोन्स में कमी की वजह से थकान, डिप्रेशन, चिड़चिड़ापन, स्कुशअल डिजायर में कमी, इरेक्टाइल डिसफंक्शन और मसल मास में कमी जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। हालांकि, ये बढ़ती उम्र के साथ हार्मोन्स में कमी की वजह से होता है, लेकिन इसके पीछे अन्य कारण भी शामिल हो सकते हैं, जैसे- तनाव, खराब लाइफस्टाइल या सेहत से जुड़ी कोई समस्या।

कैसे करें मेल मैनोपॉज मैनेज

हालांकि, मेल मेनोपॉज को भी मैनेज किया जा सकता है। इसे मैनेज करने के उपायों के बारे में बात करते हुए डॉ. आरिफ अख्तर (मैरिंगो एशिया अस्पताल, गुरुग्राम के यूरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ कंसल्टेंट) ने बताया कि एंड्रोपॉज को मैनेज करने के लिए लाइफस्टाइल और हेल्थ प्रोफेशनल्स की मदद लेना कारगर साबित हो सकता है।

लाइफस्टाइल में बदलाव

संतुलित आहार, जिसमें फल, सब्जियां, लीन प्रोटीन और साबुत अनाज शामिल हो, खाने से थकान से बचने में मदद मिलती है और पूरी सेहत को भी बढ़ावा मिलता है। संतुलित आहार खाने से हार्मोन्स में उतार-चढ़ाव की वजह से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा, नियमित व्यायाम करें, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज को शामिल करें। इससे मसल लॉस से बचाव मिलेगा और साथ ही, मूड भी बेहतर रहेगा।

तनाव कम करें

मेडिटेशन, योग और माइंडफुलनेस की मदद से तनाव कम करने में काफी मदद मिलती है और मेंटल हेल्थ भी बेहतर रहती है। साथ ही, अच्छी नींद लेने से भी तनाव कम करने में मदद मिलती है। इसलिए 7-8 घंटे की नींद तो जरूर लें।

हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी

टेस्टोस्टेरोन की कमी को पूरा करने के लिए हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी फायदेमंद हो सकती है। हालांकि, इससे पहले अपने डॉक्टर से मिलकर इससे जुड़े खतरे और फायदों के बारे में जरूर पूरी जानकारी ले लें और तभी कोई फैसला लें। साथ ही, नियमित रूप से टेस्टोस्टेरोन लेवल और सेहत का नियमित चेकअप कराएं।

साइकोलॉजिकल मदद लें

एंड्रोपॉज की वजह से होने वाले मूड स्विंग्स और डिप्रेशन के लिए काउंसलिंग या थेरेपी की मदद लेना फायदेमंद साबित हो सकता है। ऐसे में सपोर्ट ग्रुप्स भी मददगार हो सकते हैं, क्योंकि इनसे ऐसी भावना आती है कि आप अकेले नहीं है।

रिहैबिलिटेशन

अपने डॉक्टस से बात करके आप अपने लिए रिहैबिलिटेशन प्लान कर सकते हैं। इससे एंड्रोपॉज के लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है। रिहैबिलिटेशन में मसल लॉस और सेक्शुअल हेल्थ के लिए फिजिकल थेरेपी भी मिल सकती है, जिससे इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है लेकिन इन सभी में सबसे जरूरी है कि अगर आपको एंड्रोपॉज के लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो आप अपने डॉक्टर से बात करें और उनसे बात करके ही ट्रीटमेंट प्लान करें।

फिल्म इंडस्ट्री में कियारा ने पूरे किए 10 साल, पति सिद्धार्थ ने जाहिर की खुशी

कियारा आडवाणी ने फिल्म इंडस्ट्री में 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर खुशी जताते हुए उनके पति व एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किया। सिद्धार्थ ने मैगजीन कवर की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों एक साथ नजर आ रहे हैं और कैप्शन में लिखा, कड़ी मेहनत, प्यार और जुनून के 10 साल पूरे होने पर चीयर्स! चमकते रहो! बता दें कि कियारा ने महज 8 महीने की उम्र में पहली बार कैमरा फेस किया था। बेबी प्रोडक्ट के एक ऐड में उनकी मां जेनेवीव आडवाणी ने उनके साथ यह ऐड शूट किया था। 2014 में उन्होंने कॉमेडी फिल्म फगली से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। फिल्म में जिमी शेरगिल, मोहित मारवाह और विजेंदर सिंह लीड रोल में थे। इसके बाद उन्होंने एम.एस. धोनी द अनटोल्ड स्टोरी, मशीन, तेलुगु फिल्में भारत अने नेनु और विनय विधेया रामा, शाहिद कपूर स्टारर कबीर सिंह, भूल भुलैया 2श, जुगजुग जीयो और सत्यप्रेम की कथा में काम किया। कियारा के पास अब गेम चेंजर और वॉर 2 पाइपलाइन में हैं। बताया जाता है कि एक्टिंग करियर शुरू करने से पहले वह एक प्री-स्कूल में काम करती थीं, जहां वह बच्चों के डायपर बदला करती थीं और छोटे बच्चो को राइम सिखाती थी। पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो कियारा और सिद्धार्थ ने फरवरी 2023 में जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की। सिद्धार्थ ने पिछली बार एक्शन-थ्रिलर योद्धा और रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में काम किया था, जिसमें शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय भी हैं।

अक्षरा सिंह की फिल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान का ट्रेलर रिलीज

आईवीवाई एंटरटेनमेंट एक्कुअल मूवीज एलएलपी एसोसिएशन प्रस्तुत भोजपुरी की सुपरस्टार अभिनेत्री अक्षरा सिंह की बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान के निमार्ता संदीप सिंह और अविनाश रोहरा हैं। इस फिल्म में अक्षरा सिंह और अंशुमान सिंह राजपूत की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म का निर्देशन इस्तियाक शेख बंटी ने किया है।फिल्म को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म बेहद पसंद आएगी। इसमें मनोरंजन के सभी तंत्व हैं,कॉमेडी, इमोशन, और एक दिलचस्प कहानी के साथ इमोशनल क्लाईमेक्स मुख्य आकर्षण है। ऐसा पति मुझे दे भगवान का ट्रेलर बी4यू के ऑफिसियल यूट्यूब पर रिलीज किया गया है। फिल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान में अक्षरा सिंह और अंशुमान सिंह राजपूत के साथ अयाज खान, अमित शुक्ला, विद्या सिंह, प्रेम दुबे, ज्योति मिश्रा, पल्लवी कोहली मुख्य भूमिका में हैं। कथा, पटकथा एवं संवाद अरविन्द तिवारी का है। संगीतकार साजन मिश्रा, गीतकार अरबिंद तिवारी और प्यारे लाल यादव हैं। गायक प्रियंका सिंह, ज्योति शर्मा और सुगम सिंह हैं। संकलन नागेंद्र यादव और पोस्ट प्रोडक्शन आई विजन है। छायांकन डी के शर्मा का है। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और सोनू प्रीतम ,आर्ट डायरेक्टर संजय कुमार हैं।

सुशांत सिंह राजपूत की चौथी बरसी पर भावुक हुई बहन श्वेता

कहा- धीरे-धीरे हार रही हूं

आज से ठीक चार साल पहले 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत का निधन हो गया था। उनकी लाश बांद्रा स्थित उनके अपार्टमेंट में पाई गई थी। उनके निधन की खबर ने फिल्म इंडस्ट्री और देश को हिलाकर रख दिया था। एक्टर की बरसी पर उनके फैंस, रिश्तेदार व परिवार के लोग उन्हें याद कर रहे हैं। सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने एक्टर का एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी बहनों के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं। वहीं दूसरा वीडियो सुशांत के प्रेयर मीट का है। इसे शेयर कर श्वेता ने इमोशनल नोट लिखा है। श्वेता ने कैप्शन में लिखा, भाई, तुम्हें हमें छोड़े हुए 4 साल हो गए हैं और हमें अभी तक नहीं पता कि 14 जून 2020 को आखिर हुआ क्या था? आपकी मौत एक रहस्य बनी हुई है। मैं असहाय महसूस करती हूं। उन्होंने आगे लिखा, मैंने सच्चाई के लिए अधिकारियों से न जाने कितनी बार गुहार लगायी है। मैं धीरे-धीरे हार रही हूं। लेकिन आज, आखिरी बार, मैं हर उस इंसान से पूछना चाहती हूं जो इस मामले में मदद कर सकता है, अपने दिल पर हाथ रखें और खुद से पूछें- क्या हम यह जानने के लायक नहीं हैं कि हमारे भाई सुशांत के साथ क्या हुआ? उन्होंने लिखा, यह एक राजनीतिक एजेंडा क्यों बन गया है? यह इतना सीधा क्यों नहीं हो सकता कि यह बताया जाए कि उस दिन क्या मिला और क्या हुआ था? मैं विनती करती हूं कि हमारी आगे बढ़ने में मदद कीजिए। हमें वो क्लोजर दें जिसके हम हकदार हैं। बात करें सुशांत की तो उनका जन्म 21 जनवरी 1986 को पटना में हुआ था। पांच भाई-बहनों में वह सबसे छोटे थे। उनकी मां की मृत्यु के बाद पूरा परिवार पटना से दिल्ली शिफ्ट हो गया। सुशांत ने साल 2003 में दिल्ली यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की एंट्रेंस एग्जाम में पूरे देश में सातवीं रैंक हासिल की थी। एक्टर को डांस से बेहद लगाव था। अपनी डांस क्लास की फीस भरने के लिए उन्होंने बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया । 2005 में सुशांत को 51वें फिल्मफेयर अवॉर्ड सेरेमनी में बैकग्राउंड डांसर के रूप में डांस करने का मौका मिला। साल 2006 में वह कॉमनवेल्थ गेम्स की क्लोजिंग सेरेमनी में एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन के बैकग्राउंड डांसर रहे। फिल्म धूम 2 में भी वह बतौर बैकग्राउंड डांसर नजर आए। सुशांत ने अपने करियर की शुरूआत 2008 में स्टार प्लस के सीरियल किस देश में है मेरा दिल से शुरू किया, लेकिन लोकप्रियता शो पवित्र रिश्ता से मिली। बॉलीवुड में उनका डेब्यू साल 2013 में आई फिल्म कई पो चे से हुआ। इसके बाद उन्होंने शुद्ध देसी रोमांस, पीके, एमएस धोनी-द अनटोल्ड स्टोरी, केदारनाथ और छिछोरे जैसी फिल्मों में काम किया।

बिग बॉस-16 स्टार टीना दत्ता ने इंडो-वेस्टर्न आउटफिट में दिए पोज

फेमस टीवी स्टार टीना दत्ता ने फैंस के लिए इंडो-वेस्टर्न लुक में फोटो शूट करवाया। एक्ट्रेस इस ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिखीं। उतरन और कोई आने को है जैसे शो में नजर आने वाली मशहूर एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई फोटोज पोस्ट्ट की। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 4.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने पीच और ग्रीन कलर के क्रॉप टॉप, मैचिंग प्लाजो पैंट और मैचिंग स्लीवलेस श्रग पहने हुए कई तस्वीरें पोस्ट की। बिग बॉस-16 की प्रतियोगी ने फोटोशूट के लिए डेवी मेकअप लुक चुना। उन्होंने अपने मेकअप लुक को लाल बिंदी के साथ पूरा किया। हेयरस्टाइल के लिए उन्होंने ब्रेडेड हाफ अपडू चुना। लुक को इयररिंग्स और ब्रेसलेट के साथ एक्सेसराइज किया गया। पोस्ट पर कैप्शन दिया, जब भारतीय और पश्चिमी मिलते हैं, तो जादू होता है। कोलकाता में जन्मी टीना योग और पिलेट्स की भी शौकीन हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो टीना दुर्गा, फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 7, डायन और हाल ही में हम रहे ना रहे हम जैसे शो का हिस्सा रही हैं। उन्होंने बंगाली फिल्मों चिरोदिनी तुमी जे अमार, चोखेर बाली और हिंदी फिल्म परिणीता में भी अभिनय किया है। 27 नवंबर 1991 को जन्मी एक्ट्रेस ने 5 साल की उम्र से अभिनय करना शुरू किया था। एक्ट्रेस ने फेमस शो उतरन से अपनी पहचान बनाई। उन्हें इसमें अपनी भूमिका के लिए काफी सराहना मिली थी। वह रातोंरात स्टार बन गई थीं।

सुशांत सिंह राजपूत की डेथ एनिवर्सरी पर अंकिता लोखंडे ने शेयर की अनदेखी तस्वीर

सुशांत सिंह राजपूत आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वह लोगों की यादों में आज भी हैं। एक्टर की चैथी डेथ एनिवर्सरी पर फैंस और कई सेलेब्स उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे जैन ने इंस्टाग्राम पर सुशांत की अनदेखी फोटो शेयर की, जिसमें वह अपने पालतू डॉग फज के साथ नजर आ रहे हैं। अंकिता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जो तस्वीर शेयर की, उसमें सुशांत ग्रे स्लीवलेस टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने दिखाई दे रहे हैं और अपने पेट डॉग फज के पीछे खड़े हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए अंकिता लोखंडे ने कोई कैप्शन नहीं दिया, लेकिन एक्ट्रेस ने फिल्म कल हो ना हो से शंकर-एहसान-लॉय के हार्टबीट की ट्यून जरूर ऐड की। अंकिता लोखंडे और सुशांत सिंह राजपूत ने एक साथ टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में साथ काम किया था। उन्होंने मानव-अर्चना के किरदार से लोगों का दिल जीता। इस सीरियल के दौरान दोनों नजदीक आए और कई सालों तक एक-दूसरे को डेट किया। एक इंटरव्यू में अंकिता ने बताया कि उनका सुशांत के साथ ब्रेकअप 2016 में हुआ था, जिसके बाद वह काफी टूट गई थी। वह करीब ढाई साल तक इससे बाहर नहीं आ पाईं। बिग बॉस 17 में सुशांत के बारे में बात करते हुए अंकिता ने कहा था, ढाई साल तक मैं उम्मीद लगाकर बैठी थी, कि चीजें सब ठीक हो जाएंगी। लेकिन एक दिन, ये 31 जनवरी की बात है... मेरे घर में हम दोनों की बहुत सारी तस्वीरें थीं। उस दिन मैंने तय किया और अपनी मां से कहा कि सारी तस्वीरें हटा दो। मैंने कहा कि ऐसा ही होना चाहिए, तुम्हें अपनी लाइफ में किसी और के आने के लिए जगह बनानी होगी। अंकिता लोखंडे ने कहा कि उनकी मां ने सारी तस्वीरें हटा दीं और उन्हें फाड़ दिया। मेरी लाइफ में छह महीने बाद विक्की आया। बता दें कि विक्की ने 2019 में अंकिता को प्रपोज किया और 14 दिसंबर 2021 को कपल ने शादी कर ली।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अंकिता हाल ही में रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में नजर आईं। वर्तमान में वह कलर्स के कॉमेडी शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रही हैं।

कारोबारी गौतम अदाणी ने अदाणी एंटरप्राइजेज में बढ़ाई हिस्सेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस तिमाही के दौरान, अदाणी ने दो किस्तों में समूह की प्रमुख कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी। उन्होंने 10 मई से 14 मई, 2024 के बीच केम्पास ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट के माध्यम से कंपनी में अतिरिक्त 0.42

प्रतिशत (48,25,000 शेयर) हिस्सेदारी खरीदी।अरबपति गौतम अदाणी से जुड़ी एक खबर सामने आई है। कारोबारी अदाणी ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान खुले बाजार से अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई। शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंजों को दिए गए एक बयान से इसकी जानकारी मिली है। खुले बाजार की खरीदारी प्रमोटर या प्रमोटर समूह से संबंधित संस्थाओं द्वारा की गई थी। इस तिमाही के दौरान, अदाणी ने दो किस्तों में समूह की प्रमुख कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी।

द. अफ्रीका की विश्व कप में चौथी जीत

नेपाल को एक रन से हराया

⇨ सुपर-8 की दौड़ से बाहर हुई टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। रोमांचक मैच में दक्षिण अफ्रीका ने नेपाल को एक रन से हरा दिया। सेंट विंसेंट के ऑर्नोस वेल ग्राउंड में टी20 विश्व कप 2024 का 31वां मुकाबला खेला गया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने नेपाल को हराकर टी20 विश्व कप 2024 में लगातार चौथी जीत दर्ज की। वहीं, नेपाल की टीम इस शिकस्त के साथ सुपर-8 की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। मौजूदा टूनामेंट का 31वां मैच शनिवार को ग्रुप डी की दक्षिण अफ्रीका और नेपाल की टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकी टीम ने रीजा हेंड्रिक्स की 43 रनों की पारी की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट पर 115 रन बनाए। जवाब में नेपाल 20 ओवर में सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी।

ग्रुप डी की अंक तालिका का हाल

अंक तालिका में द. अफ्रीका शीर्ष पर है। उनके खाते में आठ अंक हो गए हैं और उनका नेट रनरेट +0.470 है। उन्हें अब तक अपने चारों मैचों में जीत मिली है। वहीं, नेपाल तीन मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई। इसी के साथ वह चौथे पायदान पर है। इस टीम के खाते में सिर्फ एक अंक है। नेपाल का सुपर-8 में पहुंचना अब मुश्किल है। उन्हें अपना अगला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। अगर नेपाल यह मैच जीत भी जाती है तो उनके खाते में सिर्फ तीन ही अंक हो पाएंगे। बांग्लादेश की टीम फिलहाल अंक तालिका में चार अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है।

नेपाल की पारी

नेपाल की टीम ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की। हालांकि, वह जीत दर्ज नहीं कर सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम के लिए तबरेज शम्सी काल साबित हुए। उन्होंने टीम को पहला झटका 35 रन के स्कोर पर दिया। कुशल भर्तेल सिर्फ 13 रन बना सके। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान रोहित पॉडेल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें भी शम्सी ने ही अपना शिकार बनाया। इस मैच में आसिफ शेख ने 42, अनिल शाह ने 27, दिपेंद्र सिंह एरी ने छह, कुशल मल्ला ने एक, गुलशन झा ने छह और सोमपाल कमी (नाबाद) ने आठ रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए इस मैच में तबरेज शम्सी ने चार विकेट लिए। वहीं, एनरिक नॉर्त्जे और एडेन मार्करम को एक-एक सफलता मिली।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत अच्छी हुई। रीजा हेंड्रिक्स और क्विंटन डिकॉक के बीच पहले विकेट के लिए 22 रनों की साझेदारी हुई जिसे नेपाल के दिपेंद्र सिंह ने तोड़ा। उन्होंने डिकॉक को आउट किया। वह 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद एडेन मार्करम के रूप में टीम को दूसरा झटका लगा जो सिर्फ 15 रन बना सके। इस मैच में रीजा हेंड्रिक्स ने 43, हेनरिक क्लासेन ने तीन, डेविड मिलर ने सात, मार्को जानसन ने एक, कागिसो रबाडा ने शून्य रन बनाए। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स 27 रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल के लिए कुशल भुर्तेल ने चार और दिपेंद्र सिंह एरी ने तीन विकेट चटकाए।

पंत की फुर्ती देखकर प्रभावित हुए फील्डिंग कोच दिलीप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपकर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईपीएल 2024 से मैदान पर वापसी

की थी। उन्होंने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन से टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह पक्की की थी। अब वह इस वैश्विक टूर्नामेंट में बल्ले के साथ-साथ विकेटकीपिंग से भी अपना प्रभाव छोड़ रहे हैं। वहीं, भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप घुटने की सर्जरी के बावजूद विकेट के पीछे उनकी क्षमता को देख कर आश्चर्यचकित है।पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद मैदान पर वापसी की थी। सड़क दुर्घटना में गंभीर चोट से उबर कर वापसी के बाद से ऋषभ पंत की बल्ले से साहसिक पारी टीम के लिए खुशी की बात है। पंत इस टी20 विश्व कप में तीसरे क्रम पर कुछ महत्वपूर्ण पारियों के साथ टीम के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी रहे हैं। विकेट के पीछे उन्होंने अपने काम से सबसे अधिक प्रभावित किया है।फील्डिंग कोच ने कहा ऋषभ पंत की तारीफ करते हुए कहा कि घुटने की सर्जरी के बाद किसी के लिए भी विकेट के दोनों ओर डाइव लगाना आसान नहीं है। दिलीप ने कनाडा के खिलाफ भारतीय टीम के ग्रुप चरण के आखिरी मुकाबले से पहले कहा, सबसे अच्छी बात यह है कि पंत ने अपनी वापसी के बाद कमाल का प्रदर्शन किया है। उनकी बल्लेबाजी पहले से ही काफी अच्छी मानी जाती है, लेकिन उनके बारे में एक अच्छी बात यह है कि उन्होंने विकेटकीपर के रूप में गजब का प्रदर्शन किया है।

न्यूजीलैंड ने जीत के साथ बदला अंक तालिका का समीकरण

युगांडा को नौ विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। युगांडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.4 ओवर में 10 विकेट पर 40 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाए और नौ विकेट से मैच जीत लिया।न्यूजीलैंड ने युगांडा के खिलाफ शनिवार को खेला गया मुकाबला 88 गेंदों के शेष रहते हुए नौ विकेट से जीत लिया। इसी के साथ टीम ग्रुप सी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में दो अंक हैं। अब उन्हें अपना अगला मैच पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ 17 जून को खेलना है। वहीं, युगांडा दो अंकों के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गई है। अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज छह-छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। युगांडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.4 ओवर में 10 विकेट पर 40 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाए और नौ विकेट से मैच जीत लिया।

कीवियों के खिलाफ संघर्ष करती दिखी युगांडा की टीम

टी20 विश्व कप 2024 के 32वें मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी युगांडा की टीम को कीवियों के खिलाफ संघर्ष करते देखा गया। उनका सिर्फ एक बल्लेबाज 10 से ज्यादा रन बना सका जबकि 10 बल्लेबाज दोहरे अंक का निजी स्कोर नहीं बना सके। इस मुकाबले में नेपाल के चार बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। न्यूजीलैंड के खिलाफ रौनक पटेल ने दो, साइमन सेसाजी ने शून्य, रॉबिनसन ओबुया ने शून्य, अल्पेश रामजनी ने शून्य, केनेथ बेसवा ने 11, रिआजत अली शाह ने दो, फ्रेड एचलेम ने नौ, जुमा मियागी ने शून्य, कॉसमस क्वेटा ने एक और ब्रायन मसाबा (नाबाद ने तीन रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए टिम साउदी ने तीन विकेट चटकाए जबकि बोल्ट और रचिन रवींद्र को दो सफलता मिलीं। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन एक विकेट ने एक विकेट अपने नाम किया।

5.2 ओवर में हासिल किया लक्ष्य

5.2 ओवर में न्यूजीलैंड ने 40 रनों के छोटे लक्ष्य को हासिल कर लिया। फिन एलन और डेवोन कॉनवे ने दमदार शुरूआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 24 रनों की साझेदारी हुई। एलन को रिआजत अली शाह ने एचलेम के हाथों कैच कराया। वह नौ रन बनाकर लौटे। इसके बाद मोर्चा रचिन रवींद्र और डेवोन कॉनवे ने संभाला। दोनों बल्लेबाज इस मैच में नाबाद रहे। सलामी बल्लेबाज ने 22 रन बनाए जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे रचिन ने एक रन बनाया।

4.3 अरब डॉलर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 48.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.982 अरब डॉलर हो गया।देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। सात जून को सप्ताह के अंत में 4.307 अरब डॉलर बढ़कर 655.817 अरब डॉलर की नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.837 अरब डॉलर के उछाल के साथ 651.51 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। इससे पहले, विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 10 मई को 648.87 अरब डॉलर था। पिछले कुछ सप्ताहों में विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, सात जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.773 अरब डॉलर बढ़कर 576.337 अरब डॉलर हो गयीं।

जयराम रमेश का केंद्र पर कटाक्ष...

सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि कॉरपोरेट अधिग्रहण स्वतंत्र हो

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी समूह द्वारा पेन्ना सीमेंट्स का अधिग्रहण करने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने की सरकार की जिम्मेदारी है कि कॉरपोरेट्स के बीच प्रतिस्पर्धा कम न हो। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कॉरपोरेट अधिग्रहण स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है कि राजनीतिक सत्ता से मिलने वाले अनुचित लाभ का प्रयोग न किया जाए। उनकी यह टिप्पणी अदाणी समूह द्वारा पेन्ना सीमेंट्स का अधिग्रहण करने के बाद आई। कांग्रेस नेता ने कहा, "आप क्रोनोलॉजी समझिए: देश की दूसरी

सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनने के लिए सितंबर 2022 में अदाणी ने अंबुजा सीमेंट का अधिग्रहण किया था। अगस्त 2023 में अदाणी ने सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण किया और अब दक्षिण भारत के अंतिम शेष क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करने के लिए पेन्ना सीमेंट्स का भी अधिग्रहण कर लिया।"उन्होंने आगे कहा, "अब अदाणी आने वाले दिनों में सौराष्ट्र सीमेंट, वदराज सीमेंट और जयप्रकाश एसोसिएट्स के सीमेंट व्यवसाय के अधिग्रहण की संभावना तलाश रहे हैं।' आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य का हवाल देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मशहूर वित्तीय अर्थशास्त्री ने बताया था कि अदाणी समूह समेत पांच बड़े समूह सीमेंट और 40 अन्य क्षेत्रों में एकाधिकार बना रहे हैं।जयराम रमेश ने आगे बताया कि यह बढ़ता एकाधिकार भारत की अस्थिर आर्थिक वृद्धि, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति से जुड़ा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, "2015 में जब एक व्यक्ति किसी सामान पर 100 रुपये खर्च करता था तो 18 रुपये व्यवसाय के मालिक को लाभ के रूप में मिलता था।

सुमित नागल का शानदार प्रदर्शन जारी

पेरूगिया चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। नागल ने इससे पहले

शुरूआती दौर में बोस्निया हजेगीविना के गैर वरीय नर्मन फाटिक पर और फिर प्री क्वार्टर फाइनल में इटली के गैर वरीय एलेसांद्रो जियानेसी पर जीत दर्ज की थी।भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को पेरूगिया चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। छठे वरीय नागल ने क्वार्टर फाइनल में गैर वरीयता प्राप्त पोलैंड के माक्स कसनिकोवस्की पर सीधे सेट में 6-4, 7-5 से जीत हासिल की।शनिवार को सेमीफाइनल में नागल का सामना स्पेन के गैर वरीय बनार्बे जापाटा मिरालेस और दूसरे वरीय सर्बिया के लास्लो जेरे के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल के विजेता से होगा। यह नागल की जर्मनी में हीलब्रोन चैलेंजर के शुरू होने के बाद लगातार आठवीं जीत है। नागल ने इससे पहले शुरूआती दौर में बोस्निया हजेगीविना के गैर वरीय नर्मन फाटिक पर और फिर प्री क्वार्टर फाइनल में इटली के गैर वरीय एलेसांद्रो जियानेसी पर जीत दर्ज की थी। पिछले हफ्ते नागल ने हीलब्रोन चैलेंजर खिताब जीता था जो उनकी इस सत्र में दूसरी चैलेंजर ट्राफी थी।

भारत का निर्यात नौ फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से वस्तुओं का निर्यात मई, 2024 में सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से 34.95 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया था। व्यापार घाटा भी पिछले माह बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले अक्तूबर, 2023 में सर्वाधिक 31.46 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था।वाणिज्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, कच्चे तेल की खरीदारी बढ़ने से मई में आयात भी 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर पहुंच गया। मई, 2023 में 57.48 अरब डॉलर का आयात किया गया था। मंत्रालय ने कहा कि इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, कपड़ा और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई ?है। ?इससे पहले अप्रैल, 2024 में देश का निर्यात घटकर 41.68 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष

के पहले दो महीनों यानी अप्रैल-मई में निर्यात 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात भी 8.89 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 116 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रत्न-आभूषण ?निर्यात में 4.97 फीसदी गिरावट

रत्न एवं आभूषण का निर्यात मई में 4.97 फीसदी घटकर 20,713.37 करोड़ रुपये रह गया। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों के मुताबिक, सोने के आभूषणों का निर्यात 13.1 फीसदी बढ़कर 5,507.71 करोड़ पहुंच गया। चांदी के आभूषणों का निर्यात भी बढ़कर 1,103.72 करोड़ रुपये पहुंच गया। ?हालांकि, तराशे और पॉलिश किए गए हीरों का सकल निर्यात 14,190.28 करोड़ से घटकर 12,270.54 करोड़ रुपये रह गया।

आगे भी जारी रहेगी वृद्धि : वाणिज्य सचिव

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, निर्यात के नजरिये से मई उत्कृष्ट महीना रहा है। आगे भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई कम हो रही है। इससे क्रय शक्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे आयात की मांग बढ़ेगी।

सेवाओं का निर्यात भी बढ़ा

सेवाओं का निर्यात मई में सालाना आधार पर 11.74 फीसदी बढ़कर 30.16 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 26.99 अरब डॉलर था। सेवाओं का आयात भी 8.81 फीसदी बढ़कर 17.28 अरब डॉलर पहुंच गया।

क्रूड आयात में 28% तेजी

कच्चे तेल का आयात मई में 28 फीसदी बढ़कर 20 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह, 2024-25 के पहले दो महीनों में क्रूड आयात 24.4 फीसदी बढ़कर 36.4 अरब डॉलर पहुंच गया।

पाकिस्तान का निराशाजनक प्रदर्शन

10 साल में पहली बार टूनार्मेंट के ग्रुप चरण से हुआ बाहर

अमेरिका और आयरलैंड के बीच फ्लोरिडा में खेला जाने वाला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका को मैच रद्द होने से जहां फायदा हुआ और ग्रुप-ए से भारत के बाद वह सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई।

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का निराशाजनक प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है और टीम टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच से पहले ही सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर हो गई है। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में असफल रही, जबकि पहली बार टूर्नामेंट में खेलने उतरी सह मेजबान अमेरिका ने इतिहास रचते हुए सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। अमेरिका और आयरलैंड के बीच फ्लोरिडा में खेला जाने वाला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका को मैच रद्द होने से जहां फायदा हुआ और ग्रुप-ए से भारत के बाद वह सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई। वहीं, इसका सबसे ज्यादा प्रभाव 2009 की चैंपियन टीम पाकिस्तान पर पड़ा जिसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। पाकिस्तान के लिए यह काफी निराशाजनक है क्योंकि टीम 2022 की उपविजेता रही थी। इतना ही नहीं उसके नाम पुरुष टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। पाकिस्तान के फैंस चाहते थे कि आयरलैंड किसी भी तरह अमेरिका को हरा दे जिससे पाकिस्तान की उम्मीदें बनी रहें, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद मुकाबले में टॉस भी नहीं हो सका और उसकी सभी उम्मीदें धूमिल हो गईं। ग्रुप-ए में भारत तीन मैचों में तीन मैच जीतकर छह अंक लेकर शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि अमेरिका के पांच अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद है। पाकिस्तान की टीम तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और अगर वह अपना अंतिम ग्रुप मैच जीत भी लेती है तो उसके चार अंक ही होंगे। पाकिस्तान की टीम 10 साल बाद पहली बार टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर हुई है। 2014 के बाद पहली बार है जब पाकिस्तान की टीम अगले दौर में खेलती नजर नहीं आएगी। 2014 में पाकिस्तान ग्रुप दो में था और उसने चार में से सिर्फ दो ही मुकाबले जीते थे। पाकिस्तान ने हालांकि उस समय ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराया था।

ईद-उल-अजहा से पहले पाकिस्तान सरकार का तोहफा

पेट्रोल-डीजल के दाम में की कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान में शहबाज सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी है। दरअसल ईद-उल-अजहा से पहले ही सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम घटा दिए हैं। जिससे आम जनता त्योहार से पहले जरूर थोड़ी राहत की सांस लेगी। पाकिस्तानी वित्तीय विभाग की तरफ से हर 15 दिन में ईंधन की कीमतों की समीक्षा की जाती है। इस कड़ी में वित्त विभाग ने ईंधनों में नए मूल्य कटौती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की और कहा कि नई कीमतें अगले पखवाड़े के लिए लागू होंगी।

शनिवार से ही लागू होंगी नई कीमतें

पड़ोसी देश में नई कीमतें शनिवार से ही लागू हो जाएंगी। जिसके अनुसार कटौती के बाद पेट्रोल की कीमत 258.16 रुपए

प्रति लीटर होगी, वहीं हाई स्पीड डीजल की नई कीमत 267.16 रुपए होगी। वित्त विभाग की तरफ से जारी किए अधिसूचना के मुताबिक तेल और गैस विनियामक प्राधिकरण (ओजीआरए) ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर उपभोक्ता कीमतें तय की हैं। वहीं पाकिस्तानी सरकार के पेट्रोलियम की कीमतों में कटौती के कदम से दोहरे अंकों की महंगाई की मार झेल रही पाकिस्तानी जनता को फायदा होगा।

20 फीसदी से ज्यादा महंगाई की मार झेल रहा पाकिस्तान

फिलहाल नकदी की कमी से जूझ रहा पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बेलआउट कार्यक्रम के तहत सुधारों पर भी काम कर रहा है। बता दें कि मई 2022 से ही पाकिस्तान 20 फीसदी से ज्यादा महंगाई की मार झेल रहा हैं। हालांकि, सालाना महंगाई दर अप्रैल में चौथे महीने धीमी होकर 17.3 फीसदी पर पहुंची थी। वहीं आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ये लगभग दो सालों में सबसे निचला स्तर है और मई 2023 में दर्ज किए गए रिकॉर्ड 38 फीसदी से काफी कम भी है। इससे पहले पाकिस्तानी सरकार ने 31 मई को पेट्रोल के दामों 4.74 रुपये और हाई स्पीड डीजल के दामों में 3.86 रुपये की कटौती की थी। वैश्विक स्तर पर तेल के दामों कमी देखे जाने के बाद ये लगातार तीसरी बार है, जब पिछले डेढ़ महीने ईंधन के दामों में कटौती की गई है।

बिजली के दामों मे भी की गई है कटौती

वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उद्योगों के लिए बिजली दरों में कमी की घोषणा की, जिसमें देश में बिजली दरों में 10.69 रुपये प्रति यूनिट की कटौती हुई। दरअसल राष्ट्रीय विद्युत शक्ति विनियामक प्राधिकरण (एनईपीआरओ) की सिफारिश पर की गई इस कटौती का उद्देश्य निर्यात और औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस कड़ी में औद्योगिक और निर्यात क्षेत्रों के लिए बिजली की नई कीमत अब प्रति यूनिट 34.99 रुपये होगी।

एचएस प्रणय को मिली हार, टूनार्मेंट में समाप्त हुई भारतीय चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग के सिंग्लस खिलाड़ी एचएस प्रणय की हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। प्रणय को अपने से ऊंची रैंकिंग के जापान के कोडाई नाराओका से 19-21, 13-21 से हार मिली। भारत का कोई भी खिलाड़ी इस सुपर 500 टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ने में सफल नहीं रहा। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज प्रणय की हार से पहले पुरुष सिंगल्स वर्ग में समीर वर्मा और महिला सिंगल्स में आकर्षि कश्यप के अलावा सिक्की रेड्डी एवं बी सुमित रेड्डी की मिक्स्ड जोड़ी को अंतिम आठ में हार का सामना करना पड़ा। प्रणय ने शुरूआती गेम में 10-16 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर को 18-18 किया, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके।

साहसिक टाइम्स
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बिन्देश्वरी प्रसाद द्वारा गुरु कृपा प्रिंटर्स 22, रूक्मणीपुरम, निकट माहेश्वरी ट्रेडर्स, फैजुल्लागंज, सीतापुर रोड, लखनऊ 226020 (उ०प्र०) से छपवाकर प्रकाशन स्थल ई-394 रक्षा खण्ड, रायबरेली रोड, लखनऊ 226025(उ०प्र०) से प्रकाशित
संपादक
चंदन
मो नंबर 9005051151
समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय मे ही किया जाएगा